रोहतक
सोमवार 22 जून 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 138
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 41.1°C
न्यून. 22.0°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 एलोय बने दीवार, इक्वाडोर के 15 हमले किए नाकाम, हासिल किया पहला अंक

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें, योग इसमें मददगार

योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव : मोदी

पीएम ने कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर किए आसन, बोले-योग संस्कृतियों को जोड़ता

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए। पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। इस थीम का मकसद यह बताना है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर, मन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी तरीका है। *(पैकेज पेज-5 पर)*

तीसरी से नौवीं तक के सिलेबस में शामिल होगा योग : सीएम

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2026 के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय योग दिवस समारोह में योग को जन-आंदोलन के रूप में विकसित करने तथा विद्यार्थियों एवं युवाओं में स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि इन पहलों के माध्यम से योग को केवल एक व्यायाम पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समय एवं वैज्ञानिक पद्धति के रूप में स्थापित करने की दिशा में सहायता मिलेगी।

सीएम ने ये घोषणाएं कीं

- कक्षा 3 से लेकर 9वीं तक सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम में योग शिक्षा को लागू किया जाएगा।
- प्रदेश के सभी विद्यालयों में पीटीआई, डीपीईडी, पीजीटी तथा चिह्नित पीआरटी शिक्षकों को योगासनों का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा
- हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग तथा हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में योग से जुड़े प्रश्न शामिल किए जाएंगे।
- मोरनी में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के क्षेत्र में एक राज्य स्तरीय संस्थान की स्थापना की होगी।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थापित किए जा रहे पांच "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" में योग को भी एक प्रमुख घटक के रूप में शामिल किया जाएगा।
- आयुष योग कोच/ प्रशिक्षक के रिक्त पदों पर नियुक्तियां होंगी।

कड़ी सुरक्षा में नीट री-एग्जाम हिसार में छात्रा ने किया सुसाइड

देश-विदेश के **5440** केंद्रों पर 22.79 लाख छात्रों ने दी परीक्षा | हरियाणा के 175 सेंटरों पर 65 हजार से अधिक परीक्षार्थी पहुंचे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली/चंडीगढ़

देश के 22.79 लाख से ज्यादा छात्रों ने रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा दी। इसके लिए देश के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में 5,440 केंद्र बनाए गए। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे के बीच हुई। छात्रों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एग्जाम सेंटरों में एंट्री दी गई। एक-दो मिनट देर से पहुंचने पर मुंबई में 2 और बेंगलुरु में 4 स्टूडेंट्स को एग्जाम सेंटर में एंट्री नहीं दी गई। बेंगलुरु में लड़कियों ने रेलिंग कूदकर अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन एग्जाम रूम का गेट बंद हो चुका था। राजस्थान के अजमेर में हिजाब पहन कर आई एक छात्रा को एंट्री देने से पहले मना किया गया। काफी बहस के बाद उसे अंदर भेजा गया। वहीं, इस बीच हिसार और हैदराबाद में परीक्षा से पहले दो छात्राओं ने आत्महत्या कर ली। हिसार का युवती का शव घर में और हैदराबाद में युवती का शव अपार्टमेंट में फंदे से लटका मिला। पुलिस को आशंका है कि उसने री-एग्जाम के दबाव में यह कदम उठाया। मौके से मिले सुसाइड नोट में छात्रा ने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। वहीं, हरियाणा के 19 जिलों में रविवार को नीट री-एग्जाम हुआ। 175 एग्जाम सेंटर्स पर 65 हजार से अधिक उम्मीदवार पहुंचे।

खास बातें

इयररिंग्स उतरवाए, कपड़ों से चेन-बटन निकाले

●

हैदराबाद में भी छात्रा ने फंदे पर लटक दी जान

सीआरपीएफ सुरक्षा में सेंटर तक पहुंचे पेपर

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज बस स्टैंडों पर हेल्प डेस्क लगाए गए। यहां परीक्षार्थियों को बस, ऑटो और परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के रूट की जानकारी दी गई। प्रश्नपत्र और अन्य जरूरी गोपनीय सामग्री को सीआरपीएफ की सुरक्षा में परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया गया। एग्जाम सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर जीपीएस से नजर रखी गई और उनके साथ पुलिस सुरक्षा भी रही। एग्जाम देकर आए फतेहाबाद के अंश बत्रा ने बताया कि फिजिक्स का सेक्शन काफी कठिन था, जबकि बायोलॉजी के प्रश्न आसान रहे। वहीं, कार्तिक ने कहा कि फिजिक्स और केमिस्ट्री दोनों सब्जेक्ट के प्रश्न मुश्किल थे।

तनाव में थी सिमरन पीया कीटनाशक

हिसार के बरवाला क्षेत्र के गांव ढाणी खान बहादुर की छात्रा सिमरन ने नीट एग्जाम वाले दिन आत्महत्या कर ली। उसके पिता रोहताश ने बताया कि सिमरन इससे पहले दो बार नीट एग्जाम दे चुकी थी। पहले प्रयास में वह सफल नहीं हो सकी थी, जबकि दूसरी बार एग्जाम रद्द हो गया था। सुबह करीब 10 बजे सिमरन को अचानक तेज उल्टियां होने लगीं। जब परिजनों ने सख्ती से पूछा तो सिमरन ने बताया कि उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया है। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। *(संबंधित खबर पेज -3 पर)*

ईरान हिजबुल्लाह को रोके वरना हमला करेंगे : ट्रंप

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह लेबनान में अपने समर्थक संगठन हिजबुल्लाह की गतिविधियों पर रोक लगाए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ऐसा ईरान ने हिजबुल्लाह को नहीं रोका, तो अमेरिका उस पर पिछले हफ्ते से भी ज्यादा बड़ा हमला करेगा। इसी बीच स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच 82 मिनट बातचीत चली। ईरान ने कहा- हमने अपनी फ्रीज की गई संपत्ति को वापस करने पर चर्चा की। साथ ही ईरान के एनर्जी सेक्टर पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने पर भी बात हुई। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वार्ता के दौरान कहा कि पिछले कुछ घंटों में अच्छी प्रगति हुई है। वेंस के मुताबिक, ट्रंप चाहते हैं कि दोनों देशों के रिश्तों में नया अध्याय शुरू हो और अगले 10 साल में पश्चिम एशिया की तस्वीर बदल जाए। पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में चल रही इस वार्ता का मकसद क्षेत्र में तनाव कम करना और स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ना है।

स्विट्जरलैंड में यूएस-ईरान की 82 मिनट वार्ता
■
ईरान बोला फ्रीज संपत्ति वापस करने पर चर्चा

हम पर धमकियों का असर नहीं : ईरान

ईरानी संसद स मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिकी धमकियों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान पर इन चेतावनियों का कोई असर नहीं होता। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अगर अमेरिकी धमकियां असरदार होतीं, तो वॉशिंगटन आज जिस स्थिति में है, वहां नहीं पहुंचता। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नेताओं को अपने बयानों में सावधानी बरतनी चाहिए। ईरानी स्पीकर ने कहा कि उनकी सशस्त्र सेनाएं जरूरत पड़ने पर अलग तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग में छाए म्हारे खिलाड़ी

ज्योति को स्वर्ण पदक, मीनाक्षी प्राची और दीपक ने रजत कब्जाया

ज्योति | मीनाक्षी | प्राची | दीपक

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। चीन में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते। रोहतक की ज्योति ने 48 किलो वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान की फरज़ोना फोजिलोवा, जो ब्राजील विश्व मुक्केबाजी कप की मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता हैं, को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। 51 किलोग्राम वर्ग में रोहतक की ही मीनाक्षी, 57 किलो वर्ग में झज्जर की प्राची और झज्जर के ही दीपक ने 70 किलो में रजत पदक जीता। इससे पहले झज्जर के जुगनू ने 85 किलो और भिवानी के निखिल ने 55 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। *(पैकेज खेल पेज पर)*

मुंबई पहुंचा मानसून दिल्ली-यूपी समेत 8 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने रविवार को मुंबई में जोरदार दस्तक दे दी है। कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में अभी बारिश, आंधी-तूफान का दौर जारी रहेगा। प्री मॉनसून रेन से इन राज्यों में मौसम सुहाना बना रहेगा। पश्चिमी राजस्थान में 24-25 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 22 से 25 जून और उत्तराखंड में 19 से 25 जून के दौरान बारिश होने का अलर्ट है।

50 ओवर मैच में बनाया रिकॉर्ड 11 छक्के और 6 चौके लगाए

वैभव की सबसे तेज फिफ्टी 11 गेंदों पर 50 रन बनाए

दांबुला। इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर ट्राई सीरीज अपने नाम कर ली। दांबुला में भारत-ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका-ए 47.1 ओवर में 311 रन पर सिमट गई। भारत की जीत के हीरो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रन की पारी खेली। 11 छक्के और 6 चौके भी लगाए। वैभव ने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 50 ओवर क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, प्रियांश आर्या ने 39 और अनुकूल रॉय ने 15 गेंदों पर 39 रन का योगदान दिया।

आईएनएस दूनागिरी ब्रह्मोस से लैस, रडार नहीं पकड़ पाएगा

नेवी को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत समुद्र में बढ़ी नौसेना की ताकत

पीएम बोले, यह नए भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन स्वदेशी वॉरशिप्स आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और एंटी-सबमरीन आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश में ही डिजाइन और बनाया गया है। आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइल्स से लैस है। वहीं, आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।

अग्रय दुश्मन की सबमरीन नष्ट करेगा

आईएनएस अग्रय अर्नाला क्लास का चौथा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट यानी उथले पानी का वॉरशिप है। इसे हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और एडवांस्ड सोनार सिस्टम से लैस किया गया है। जिससे यह तटों पर तैनात दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें निशाना बना सकता है।

संशोधक समुद्र का नक्शा व सर्वे करेगा

आईएनएस संशोधक सर्वे वेसल (लार्ज) सीरीज का चौथा जहाज है। इसका काम युद्ध लड़ना नहीं, बल्कि समुद्र का सर्वे करना है। इसे तट और गहरे समुद्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वे, समुद्री डेटा कलेक्शन और डिफेंस-सिविल यूज के लिए बनाया है। बंदरगाहों और समंदर के रास्तों का सर्वे करना भी इसके मुख्य काम में शामिल है।

दूनागिरी 5वां स्टील्थ फ्रिगेट वॉरशिप

आईएनएस दूनागिरी प्रोजेक्ट-17A का 5वां स्टील्थ फ्रिगेट वॉरशिप है। इसे नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। प्रोडक्शन कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया। कमांडिंग ऑफिसर कै. दिव्य आलोक ने कहा कि दूनागिरी ईस्ट नेवल कमान व ईस्टर्न फ्लीट का हिस्सा बनेगा।

भारतीय नौसेना में 140 से 145 वॉरशिप्स

भारतीय नौसेना के पास इस समय लगभग 140 से 145 सक्रिय वॉरशिप्स हैं। नौसेना का मुख्य लक्ष्य साल 2030 तक अपने जहाजों की कुल संख्या को 150 से 160 तक पहुंचाना है। भारत अपने इन युद्धपोतों को मुख्य रूप से तीन नौसैनिक कमांड्स और एक रणनीतिक द्वीप कमान में तैनात करता है। विशाखापट्टनम (पूर्वी कमान) के जहाज बंगाल की खाड़ी और मलक्का में चीन की घेराबंदी करते हैं। मुंबई और कारवाड़ के युद्धपोत अरब सागर में पाकिस्तान पर नजर रखने और समुद्री लुटेरों से व्यापारिक जहाजों को बचाने के लिए चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं। इसके अलावा, समंदर के बीचों-बीच अंडमान और निकोबार कमान में तैनात जहाज दुश्मन के प्रवेश मार्ग को पूरी तरह ब्लॉक कर देते हैं।

खबर संक्षेप

लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे एमपीएचडब्ल्यू

चंडीगढ़। बहुद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन (एमपीएचडब्ल्यू) ने लंबित मांगों के समाधान को लेकर 5 जुलाई को रेवाड़ी स्थित स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर प्रदेशस्तरीय रोष प्रदर्शन करने की घोषणा की है।
एसोसिएशन का कहना है कि यदि सरकार ने समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य और प्रवक्ता संदीप कुंडू ने बताया कि राज्य कमेटी ने विभिन्न जिलों का दौरा कर कर्मचारियों से संवाद किया है। कर्मचारियों में सरकार और विभाग के रवैये को लेकर रोष है तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी प्रदर्शन में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

रिकॉर्ड उपलब्ध न कराने पर बिजली लोकपाल सख्त

चंडीगढ़। हरियाणा के बिजली लोकपाल राकेश कुमार खन्ना ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) की कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित उपभोक्ता से वसूली जाने वाली बकाया राशि का अंतिम एवं सत्यापित आंकड़ा 15 दिन के भीतर निर्धारित कर प्रस्तुत किया जाए। लोकपाल ने कहा कि मामले से जुड़े रिकॉर्ड उपलब्ध कराने में लापरवाही और तथ्यों में स्पष्टता के अभाव के कारण अनावश्यक विलंब हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दस्तावेजों और आंकड़ों का पुनः सत्यापन कर वास्तविक देय राशि का स्पष्ट विवरण तैयार किया जाए।

सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव और सांसद सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। प्रदेश में लाखों शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, जबकि सरकारी विभागों में लगभग दो लाख पद रिक्त पड़े हैं। इसके बावजूद सरकार नियमित भर्ती प्रक्रिया को गति देने में असफल साबित हुई है। युवा रोजगार के लिए भटक रहे है।

नागरिक अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की छतों पर लगेंगे सोलर पैनल

■ मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक में दिए निर्देश ■ सिविल सर्जनों की वित्तीय शक्ति 1 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की

अस्पतालों में लॉन्ड्री सेवाओं के मशीनीकरण और जच्चा-बच्चा वार्डों का सौंदर्यीकरण होगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

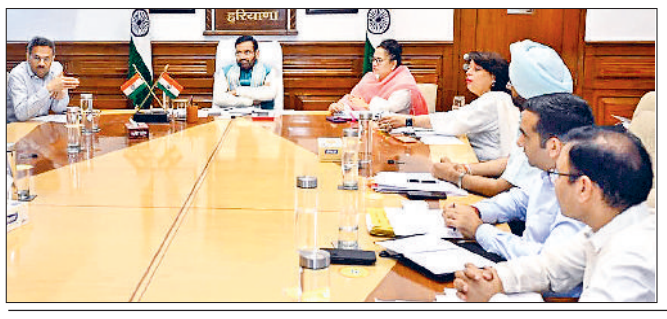

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हरियाणा के सरकारी अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर निजी अस्पतालों से भी बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिला नागरिक अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ बुनियादी सुविधाओं का स्तर भी उच्च गुणवत्ता का सुनिश्चित किया जाए।

बिजली ग्रिड से जोड़ा जाएगा

उन्होंने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएं तथा उन्हें नेट मीटरिंग के माध्यम से बिजली ग्रिड से जोड़ा जाए। इसके अलावा अस्पतालों में पौधारोपण, पेस्ट कंट्रोल, लॉन्ड्री सेवाओं के मशीनीकरण और जच्चा-बच्चा वार्डों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। रविवार को सिविल सचिवालय में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों के आधुनिकीकरण, मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्यों तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अंबाला, भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, हिसार, कैथल, महेंद्रगढ़, पलवल, पंचकूला, रेवाड़ी, सोनीपत और नूंह समेत 12 जिलों के नागरिक अस्पतालों में चल रहे नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मैमोग्राफी मशीनें स्थापित की जाएंगी

बैठक में बताया गया कि पंचकूला, रेवाड़ी, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, पानीपत, करनाल, नारनौल और गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में महिलाओं की स्तन कैंसर जांच के लिए मैमोग्राफी मशीनें स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अन्य जिलों में भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने और मातृ-शिशु वार्डों में एयर कंडीशनिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यरत और निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों की समीक्षा करते हुए सिरसा में कैंसर उपचार सुविधा विकसित करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को बेहतर उपचार के साथ स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण भी मिलना चाहिए। बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां 8.83 प्रतिशत लाभार्थियों ने सरकारी अस्पतालों में उपचार कराया था, वहीं 2025-26 में यह आंकड़ा बढ़कर 32 प्रतिशत हो गया है। मुख्यमंत्री ने अधिक से अधिक मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की सेवाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने सिविल सर्जनों की वित्तीय शक्ति एक लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने के निर्देश दिए, ताकि छोटे विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने अस्पतालों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, एसी, पंखे, पेंटिंग और भवनों की मरम्मत करने के निर्देश दिए।

पंचकूला से दुनिया तक गूंजा योग का संदेश मुख्यमंत्री ने हजारों लोगों संग किया योगाभ्यास

■ राज्य स्तरीय योग दिवस समारोह में 16 देशों के युवाओं ने बढ़ाया गौरव ■ योगगुरु स्वामी रामदेव की पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री ने वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य पोर्टल व संजीवनी योग प्रोग्राम का किया शुभारंभ

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पंचकूला का सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड योगमय नजर आया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य स्तरीय समारोह में हजारों लोगों के साथ सामूहिक योगाभ्यास कर योग को स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

हरित योग अभियान बना

समारोह को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप तब मिला जब हरियाणा में अध्ययनरत एवं कार्यरत 16 मित्र देशों के सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर हरित योग अभियान को गति दी तथा विभिन्न योग संस्थाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है। योग आज सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से ऊपर उठकर पूरी मानवता को जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।

उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन विरासत है, जिसे आज दुनिया भर में सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' है। बढ़ती उम्र में व्यक्ति को स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बनाए रखने में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित योग से तनाव कम होता है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग करने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए स्वस्थ और ऊर्जावान नागरिक आवश्यक हैं।

उन्होंने योग को केवल एक दिन का आयोजन न मानकर जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वृद्ध सेवा एवं स्वास्थ्य पोर्टल तथा संजीवनी योग प्रोग्राम का शुभारंभ किया।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

मुख्यमंत्री योगगुरु स्वामी रामदेव की पुस्तक योगर्षियोगनिघण्टु: और हरियाणा योग आयोग की त्रैमासिक पत्रिका योगमय हरियाणा, सामान्य योग प्रोटोकॉल पुस्तिका तथा का विमोचन किया। स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो आज स्वस्थ और तनावमुक्त जीवन का सरल माध्यम बन चुकी है। उन्होंने योगयुक्त-नशामुक्त हरियाणा के संकल्प को समय की आवश्यकता बताया।

हरियाणा लोक भवन में मना योग दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा लोक भवन में रविवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। हरियाणा योग आयोग तथा आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर प्रदेश की प्रथम महिला मित्रा घोष भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि योग दुनिया भर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

हरियाणा सचिवालय में पुनर्नियोजित कर्मचारियों का ब्योरा तलब

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सचिवालय और विभिन्न विभागों में सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति अथवा संविदा आधार पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पूरा ब्यौरा तलब किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी विभागों, मंत्रियों के कार्यालयों और सचिवालय शाखाओं से 60 वर्ष से अधिक आयु के पुनर्नियोजित कर्मियों की जानकारी मांगी है। सरकार की इस कवायद के तहत विभिन्न श्रेणियों (ए, बी, सी और डी) में कार्यरत ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों का डाटा एकत्र किया जा रहा है, जिन्हें सेवानिवृत्ति के बाद सेवा विस्तार, पुनर्नियुक्ति या संविदा पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री के निर्देश पर सचिवालय व मंत्रियों के कार्यालयों से मांगी गई जानकारी

कई कर्मचारी हो चुके रिलीव

मुख्य सचिव कार्यालय की स्थापना-2 शाखा ने 12 जून 2026 को जारी आदेश में सभी विभागों और सचिवालय शाखाओं को पुनर्नियुक्त तथा संविदा कर्मियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके तहत विशेष वरिष्ठ सचिव, वरिष्ठ सचिव, निजी सचिव, व्यक्तिगत सहायक, स्टेनोग्राफर, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव और अधीक्षकों से भी जानकारी मांगी गई है। सूत्रों के अनुसार जून के दूसरे सप्ताह में सचिवालय में कार्यरत कुछ पुनर्नियोजित कर्मियों को रिलीव किया गया था। सरकार इसे प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम मान रही है।

22 व 25 को प्रदर्शन और धरने की चेतावनी

भीषण गर्मी में वोटर सत्यापन बना शिक्षकों के लिए चुनौती

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा में 15 जून से 14 जुलाई तक चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन का कार्य शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के लिए चुनौती बन गया है। जून की भीषण गर्मी और लू के बीच बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के रूप में तैनात शिक्षक मतदाता सूची के सत्यापन, नए मतदाताओं के पंजीकरण और अपात्र नामों को हटाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास के अनुसार, प्रदेश में करीब 2.07 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है। 24 वर्ष बाद इस स्तर का घर-घर जाकर पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

इसके लिए 20,629 मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में शिक्षकों और अन्य विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। शिक्षकों का कहना है कि 45 डिग्री से अधिक तापमान में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करना कठिन साबित हो रहा है। कई स्थानों पर लोग पहचान पत्र मांग रहे हैं, जबकि कुछ घरों में घंटी बजाने पर नाराजगी भी झेलनी पड़ रही है।

अधिकारियों से मिलेंगे

दबाव में काम नहीं करेंगे हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन प्रदेशाध्यक्ष सतपाल सिंधू का कहना है कि एसआईआर को लेकर काफी दिक्कतें आ रही हैं, अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। पहले फार्म वितरण करना है। एक बीएलओ को एक हजार फार्म बांटने हैं। इसके अलावा आनलाइन अपडेट करने के साथ ही इन फार्मों को एकत्र करना है। तपती सड़ती गर्मी में इसे रखा गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एश्रीनिवास का कहना है कि अभी मेरे पास शिक्षक संघों की ओर से कोई शिकाय अथवा ज्ञापन नहीं आया है। आने के बाद ही इस पर कोई कमेंट किया जा सकेगा।

जापान में दिया योग और गीता का संदेश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम

चंडीगढ़। जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों, भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया। योगाभ्यास, ध्यान और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के माध्यम से भारत-जापान मैत्री का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जिसने पूरे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखाया है। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने योग को आत्मिक उन्नति और वैश्विक सद्भाव का माध्यम बताया। हरियाणा सरकार के प्रतिनिधि डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि सरकार योग और गीता के वैश्विक प्रचार-प्रसार कर रही है।

विकसित भारत के लिए युवाओं की भूमिका अहम

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने भिवानी स्थित द हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे ग्रीष्मकालीन सर्विस कैंप के 21वें दिन आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।उन्होंने कहा कि स्काउट्स एंड गाइड्स युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समाज सेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

कब्जा सूचना- (अचल सम्पत्ति हेतु) नियम 8-(1)

चूंकि, प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इंफोलाइन हाउसिंग फाइनैंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल एचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और प्रतिभूत हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये अधोहस्ताक्षरी ने कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित कर्जदार / सह-कर्जदारों को राशि का एनभुगतान करने के लिए एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था, कर्जदार को और आम जन को सामान्यतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग उस पर ब्याज सहित यहां नीचे उल्लिखितानुसार राशि के लिये आईआईएफएल एचएफएल की वसूली के अधीन होगी। "कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आकर्षित किया जाता है, यदि कर्जदार बिक्री अथवा हस्तांतरण के लिये निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, हुये परिव्ययों और व्यय सहित "आईआईएफएल एचएफएल" को देय भुगतान कर देता है, प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों को "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा बेचा अथवा हस्तांतरित नहीं किय जाएगा और प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण अथवा बिक्री हेतु "आईआईएफएल एचएफएल" द्वारा आगे कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।"

कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों) का नाम	प्रत्याभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	कुल बकाया देय (रु.)	डिमांड नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री बलविन्दर सिंह श्री पर्वदीप सिंह श्रीमती दविन्दर कौर बलविन्दर मैसन (प्रोस्पैक्ट नं. IL10582575)	गांव हिमांचूं खेड़ा तहसील ऐलनाबाद, जिला सिरसा, हरियाणा-125102 में स्थित खेवट नं. 105 खतौनी नं. 150 मुरब्बा नं. 10 किल्ला नं. 1(4-10) में से सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Area_Admeasuring, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 657	रु. 422688/- रुपये चार लाख बाईस हजार छह सौ अठासी केवल	05-01-2026	18-06-2026
श्री गौरव कुमार श्रीमती कमलेश देवी गौरव हेयर सैलून (प्रोस्पैक्ट नं. IL10406662)	गांव जडोला, तहसील टांड, जिला कैथल, हरियाणा 136027 में खेवट नं. 285, और 286, क्षेत्रफल माप 900 वर्गफुट के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Area_Admeasuring, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 900	रु. 384387/- रुपये तीन लाख चौरासी हजार तीन सौ सत्तासी केवल	05-01-2026	18-06-2026
श्री अनिल कुमार श्री संतोष श्रीमती महिन्दर सिंह संतोष टेलरिंग (प्रोस्पैक्ट नं. IL10530334)	गांव औढ़, तहसील रानियां, जिला सिरसा, हरियाणा-125055 में खेवट नं. 632, खतौनी नं. 965, मुरब्बा नं. 90, किल्ला नं. 24/1/1/1/2/3 में सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 2178.00, 930.00	रु. 555223/- रुपये पांच लाख पचपन हजार दो सौ तेईस केवल	24-10-2025	18-06-2026
श्रीमती उषा रानी श्री मनदीप मनदीप डेयरी फार्म (प्रोस्पैक्ट नं. IL10443454)	766 निकट प्राइवेट स्कूल, सपन खेड़ी, सपन खेड़ी, ग्योंग, सपन खेड़ी, कैथल, हरियाणा, भारत-136027 में सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1053.00, 1053.00	रु. 675221/- रुपये छह लाख पचहत्तर हजार दो सौ इक्कीस केवल	09-01-2026	18-06-2026

अधिक विवरण हेतु कृपया प्राधिकृत अधिकारी से शाखा कार्यालय : एसकरनाल-एससीओ-408, जीएफ, मुगल कैनाल, करनाल, हरियाणा-132001 अथवा कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं. 98, फेज-IV, उद्योग विहार, गुड़गांव, हरियाणा में सम्पर्क करें।

स्थान : हरियाणा, दिनांक : 22.06.2026 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, कृते आईआईएफएल होम फाइनैंस लि.

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक प्रमुख होने के कारण कुलपति से निम्नलिखित कार्य अपेक्षित हैं:

- सर्वोच्च स्तर की सक्षमता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्था के प्रति प्र ति ब द्ध ता सम्पन्न व्यक्ति ।
- एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में न्यूनतम 10 वर्ष या प्रतिष्ठित अनुसंधान और/या अकादमिक संगठन में प्रशासनिक नेतृत्व का प्रदर्शन करने के प्रमाण के साथ 10 वर्ष का अनुभव।
- इस विज्ञापन में आवेदन प्राप्ति की समापन तिथि पर 65 वर्ष की आयु से अधिक आयु का नहीं होना वांछनीय।

वेतन और सेवा शर्तें

- पद हेतु अन्य सामान्य भत्तों और 11250/- रुपए के विशेष भत्तों के साथ 2,10,000/- रुपए (नियत) प्रतिमाह का वेतन निर्धारित है।
- सेवाओं की निबंधन और शर्तें वह होंगी जो विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं संविधियों तथा अध्यादेशों में दी गई है।

नियुक्ति हेतु प्रक्रिया

- कुलपति की नियुक्ति विश्वविद्यालय के अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक समिति द्वारा सिफ़ारिश किए गए नामों के एक पैनल में से की जाएगी।

यह विज्ञापन वेबसाइट https://dohe-education.gov.in और /https://www.cuh.ac.in/पर उपलब्ध है।

"केवल ऑनलाइन आवेदन करें"

उम्मीदवारों को नीचे दिए गए लिंक के अनुसार केवल शिक्षा मंत्रालय समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा:

https://vcrec.samarth.ac.in/index.php/

- उपरोक्त लिंक दिनांक 22.06.2026, 10:00 घंटे से दिनांक 21.07.2026,17:00 घंटे तक सक्रिय होगा।

CBC- 21201/11/0008 2627

अपराध जांच में बना मिसाल, केंद्रीय गृहमंत्री ने किया प्रणाली का शुभारंभ

फिंगरप्रिंट सम्मेलन में हरियाणा पुलिस का जलवा सीआरपीआईएस मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस ने तकनीक आधारित अपराध नियंत्रण और वैज्ञानिक जांच के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नई दिल्ली में 19-20 जून को आयोजित 26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन में हरियाणा राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) द्वारा विकसित क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम को देश के सर्वश्रेष्ठ मॉडलों में शामिल किया गया।

सम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस डिजिटल प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ किया। वहीं, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने रिकॉर्ड समय में सीआरपीआईएस विकसित और लागू करने के लिए एससीआरबी हरियाणा को 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। यह सम्मान हरियाणा पुलिस की ओर से इंस्पेक्टर करनैल सिंह ने ग्रहण किया।

सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों और फोरेंसिक वैज्ञानिकों ने हरियाणा के तकनीकी मॉडल की सराहना की। विशेषज्ञों ने इसे अपराध पहचान और जांच प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बताया। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सुशासन और तकनीक आधारित पुलिसिंग के विजन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के मार्गदर्शन में स्मार्ट पुलिसिंग, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैज्ञानिक जांच प्रणालियों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि प्रणाली अपराधियों की सटीक पहचान, रिकॉर्ड प्रबंधन और जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

प्रणाली की खासियत

- अपराधियों की डिजिटल पहचान को सुदृढ़ बनाना
- रिकॉर्ड प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित करना
- जांच प्रक्रिया में गति और सटीकता बढ़ाना
- तकनीक आधारित पुलिसिंग को मजबूत करना
- राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा मॉडल की सराहना होना

फतेहाबाद में थाने से शराब गायब होने के मामले में मालखाना इंचार्ज भी सस्पेंड

शराब की 211 पेटियां कागजों में नष्ट दिखाकर गायब कीं ▶▶ एसएचओ पर पहले ही हो चुकी है एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सदर थाना फतेहाबाद के मालखाने से शराब की 211 पेटियां कागजों में नष्ट दिखाकर गायब करने के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें सस्पेंड किए जाने के बाद अब मालखाना इंचार्ज हेड कांस्टेबल कमल कुमार को भी निलंबित कर दिया गया है। विशेष जांच टीम रिपोर्ट एसपी निकिता खट्टर को सौंपेगी। मालखाने की चाबी तत्कालीन एसएचओ प्रहलाद सिंह के पास रहती थी। उन्होंने सरकारी गाड़ी से भी शराब की पेटियां बाहर भिजवाई थी। सदर थाना के मालखाने में रखी शराब की 211 पेटियों को रिकॉर्ड में नष्ट दिखा था, जबकि वास्तविकता में इन्हें कंटेनर में रखा गया। बाद में धीरे-धीरे इन पेटियों को कंटेनर और मालखाने से बाहर निकाल लिया गया। एसएचओ पर कार्रवाई के साथ ही एसपी ने पूरे सदर थाना स्टाफ का तबादला कर दिया था।

किस-किस ने शराब पी या बेची जांच में होगा खुलासा

एसआईटी जांच में जुटी, थाना स्टाफ का तबादला

मामले की शुरुआती जांच एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने की थी। उन्होंने तत्कालीन एसएचओ, मालखाना इंचार्ज, थाने के मुंशी, एसएचओ के ड्राइवर, ईटीओ और अन्य पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए। जांच के दौरान अधिकांश कर्मचारियों के बयानों में विरोधाभास सामने आया। इसी रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए पूरे थाने का स्टाफ बदल दिया। पुलिस सूत्र यह भी पता लगाने में जुटे हैं कि यह शराब खुर्द-बुर्द की गई तो इसे कितने कर्मचारी डकार गए या आगे बेच डाली।

नजर रखे हैं आला अधिकारी

एसआईटी की मौजूदा जांच में अभी कई अहम पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गायब हुई शराब की पेटियां किन-किन लोगों तक पहुंचाई गईं, उन्हें कहां सप्लाई किया गया। जांच अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। बता दें कि इस मामले में एसपी ने एसएचओ सहित पूरे थाने को ही तबदील कर दिया है। इस मामले में पंचकूला स्थित पुलिस मुख्यालय के आला अधिकारी भी नजर रखे हुए हैं।

सिरसा में अफीम खुर्द-बुर्द हुई

इस मामले को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है कि पिछले दिनों सिरसा में पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पकड़ी गई अफीम में से काफी अफीम को खुर्द-बुर्द कर दिया गया था। यह मामला भी उच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है। नशा के खिलाफ समाज में अभियान चला रही सामाजिक संस्थाएं भी इसको लेकर पुलिस से सवाल कर रही हैं। हालांकि एसपी ने स्वयं इस मामले में पत्रकारों से कोई बातचीत नहीं की लेकिन डीएसपी जगदीश काजला को शनिवार को प्रमुख बिंदुओं की आवश्यक जानकारी सांझा की थी।

खबर संक्षेप

इसराना फ्लाईओवर पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

इसराना। कस्बे में रविवार सुबह लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली फ्लाईओवर से उतरते समय ट्रक की टक्कर लगने से पलट गई। हादसे के बाद जीटी रोड के एक तरफ का यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। जानकारी के अनुसार शामली निवासी अशफाक गांव सनौली से लकड़ी के टुकड़े लेकर परढाना की एक निजी फैक्ट्री जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक की टक्कर से ट्रॉली असंतुलित होकर सडक़ पर पलट गई। गनीमत रही कि ट्रैक्टर डिवाइडर पर चढक़र रुक गया और हादसा टल गया।

सीडीएलयू के कर्मचारी ने जहर खाया, मौत

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) के एक नियमित कर्मचारी ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 46 वर्षीय प्रवीण कपूर के रूप में हुई है, जो सिरसा के गुरु नानक नगर का निवासी था और विश्वविद्यालय में लंबे समय से क्लर्क के पद पर कार्यरत था। घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर और कर्मचारियों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे प्रवीण कपूर विश्वविद्यालय की अकाउंट ब्रांच में ड्यूटी पर मौजूद था। उस समय अधिकांश कर्मचारी कार्यालय से जा चुके थे।

पानीपत में ट्रक ने चाचा-भतीजे को कुचला, मौत

पानीपत। नेशनल हाईवे-44 (जीटी रोड) पर गांव मच्छरौली के पास रविवार अलसुबह सड़क हादसे में उप्र के दो मजदूरों की मौत हो गई। ये दोनों उत्तर प्रदेश के सीतापुर से पानीपत में धान की बुआई के लिए अपने छह मजदूर के साथ आए थे। बस उतर कर सभी अलसुबह 4 बजे पैदल जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान आपस में चाचा-भतीजे के रूप में हुई है। घटना के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया। दोनों की पहचान इमरान और रियाजुद्दीन के रूप में हुई है।

महम विधायक दांगी के ऑफिस पर फायरिंग करने वाले का एनकाउंटर

खरकड़ा गांव के पास बदमाश और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़

पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में भी लगी गोली

गिरफ्तार युवक गैंगस्टर सुमित उर्फ छोटा का गुर्गा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

महम में पुलिस थाने के सामने विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर फायरिंग करने की वारदात में शामिल एक बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। रविवार सुबह पांच बजे पुलिस ने खरकड़ा गांव के पास राजा वाली गोहर पर नाका लगाया हुआ था। पुलिस ने एक बाइक सवार युवक को देखा।

पुलिस को देखते ही युवक ने भागने का प्रयास किया। खुद को पुलिस से घिरा देखकर उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। एक गोली युवक के पैर में जा लगी। जिसके कारण आरोपी घायल होकर जमीन पर गिर गया। युवक ने अपना नाम अमन बताया है, जो लाखन माजरा गांव का बताया जा रहा है। पुलिस ने सड़क के साथ लगते एक खेत से युवक द्वारा इस्तेमाल किया गया पिस्तौल भी बरामद किया है। मौके से युवक का मोटर साइकिल भी मिला है। घायल अवस्था में पुलिस ने अमन को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया है। पुलिस महम विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर फायरिंग के दूसरे आरोपी की भी तलाश कर रही है। फायरिंग मामले में पुलिस की 8 टीमें लगातार दबिश दे रही थी। इसी कड़ी में सीआईए की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर लाखनमाजरा से खरकड़ा रोड पर राजा वाली गोहर पर एक युवक को देखा और उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर युवक ने भागने का प्रयास किया और पुलिस पर फायर कर दिया।

सीआईए इंचार्ज कुलदीप की टीम ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई और एक गोली आरोपी के पैर में मारी। महम डीएसपी तनुज शर्मा ने बताया कि सुबह पुलिस मुठभेड़ के बाद पकड़े गए आरोपी की पहचान अमन के रूप में हुई, जो गैंगस्टर सुमित उर्फ छोटा सामणिया का गुर्गा बताया जा रहा है। इसी बदमाश ने कल कांग्रेस पार्टी से विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर भी फायरिंग की थी। सुमित उर्फ छोटा पर कई अपराधिक मुकदमे हैं और वह हरिद्वार के रास्ते विदेश भाग गया था।

महम। पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल युवक रोहतक पीजीआई में उपचार के दौरान।

नूंह में पुलिस और पशु की तस्कर मुठभेड़, आरोपी के पैर में लगी गोली

नूंह। नूंह जिले में नूंह-पलवल रोड पर रविवार को पुलिस और एक कथित पशु तस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। सीआईए नूंह की टीम गश्त के दौरान एक आयशर कैंटर को रोकने का प्रयास कर रही थी, जिसमें 4 ऊंट और एक ऊंटनी भरे हुए थे। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल अवस्था में उसे काबू कर लिया गया। आरोपी की पहचान पिनगवां निवासी नगीन के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस ने मौके से एक देशी कट्टा और कारतूस बरामद किए हैं। आयशर कैंटर में मिले 4 ऊंट और एक ऊंटनी को भी कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटना की सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी का किसी पशु तस्करी गिरोह से संबंध है या नहीं और इस मामले में उसके अन्य साथी कौन हैं।

यमुनानगर में 11वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

आयुषी पढ़ाई में होनहार थी, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

ग्यारहवीं कक्षा की पंद्रह वर्षीय छात्रा ने रविवार को घर में फंदा लगाकर संदिग्ध हालत में खुदकुशी कर ली। पुलिस व फोरेंसिक की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शहर के दुर्गा नगर निवासी 15 वर्षीय आयुषी 11वीं की छात्रा थी। रविवार सुबह घर पर अकेली थी। मृतका के पिता विजय कुमार ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी व दो बेटियां हैं। आयुषी छोटी थी और पढ़ाई में होनहार थी। सुबह परिवार के सदस्य अपने अपने काम पर जाने की तैयारी में थे। आयुषी ने मां से कहा कि वह खाना बना देगी। उसने परिवार के लिए खाना बनाकर सभी को भोजन कराया।

मंदिर से लौटकर उठाया कदम

परिजनों के अनुसार आयूषी सुबह मंदिर भी गई थी। करीब साढ़े 11 बजे वह घर लौटी और घर पर अकेली थी। दोपहर डेढ़ बजे उसकी मां भोजन करने के लिए घर पहुंची। कमरे में पहुंचने पर उसने देखा कि आयुषी पंखे के पास लगी हुक से रस्सी का फंदा लगाकर लटकी हुई थी। नीचे कुर्सी व बाल्टी भी पड़ी थी। उसकी मां ने तुरंत परिजनों व पुलिस को सूचना दी। पुलिस व फोरेंसिक टीमों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पड़ोसियों ने बताया कि सुबह तक आयूषी सामान्य व्यवहार कर रही थी और किसी तरह की परेशानी नजर नहीं आई थी। परिजनों का कहना है कि आयूषी के व्यवहार में किसी प्रकार का तनाव या परेशानी नहीं दिखाई दी थी।

फरीदाबाद: तीन साल के बच्चे की बेड पर गला कटी मिली लाश, माता-पिता गिरफ्तार

फरीदाबाद। रविवार सुबह 3 वर्षीय बच्चे की गला काटकर हत्या कर दी गई। घटना सूरजकुंड थाना क्षेत्र स्थित शिव दुर्गा विहार की है। घटना उस समय हुई, जब बच्चे के माता-पिता घर से बाहर गए हुए थे। बच्चा कमरे में अकेला था, जबकि दूसरे कमरे में उसकी मौसी मौजूद थी। वारदात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने माता-पिता को हिरासत में ले लिया है। अभी यह सामने नहीं आ पाया है कि बच्चे की हत्या क्यों की गई। यह सामने आया है कि महिला अपने पहले पति को छोड़ चुकी है। अब वह दूसरे व्यक्ति के साथ रहती थी।

गले में चोट के निशान थे: पुलिस

शिव दुर्गा विहार के एच ब्लॉक में सौरभ के मकान में सुधा तिवारी परिवार के साथ किराए पर रहती है। सुधा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया की रहने वाली है। वह यहां अपने दूसरे पति शिवम और मां के साथ रहती है। मकान मालिक सौरभ ने बताया कि वह मकान के दूसरे हिस्से में रहते हैं। सुबह करीब 11 बजे उन्हें घर के अंदर से रोने चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब वह किराएदार के कमरे तक पहुंचे तो देखा कि 3 वर्षीय आदित्य बेड पर पड़ा हुआ था। सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रहलाद ने बताया कि गले पर गंभीर चोट के निशान थे। रविवार को उसका पोस्टमॉर्टम नहीं हो सका।

प्रदेश का पहला व देश का चौथा फ्री फ्लो टोल बनेगा करनाल का टोल

50 रुपये की पहली पर्ची से 190 रुपये तक पहुंचा करनाल टोल, अब 24 साल पूरे होते ही बदल जाएगा सिस्टम, 21-22 जून 2002 की मध्यरात्रि को शुरू हुआ था सफर, आज से 25वें वर्ष में प्रवेश

धर्मेंद्र खुराना ▶▶ करनाल

करनाल-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित करनाल टोल प्लाजा रविवार, 22 जून को अपने 24 वर्ष पूरे कर 25वें वर्ष में प्रवेश कर जाएगा। वर्ष 2002 में जब इस टोल प्लाजा की शुरुआत हुई थी, तब पहली पर्ची मात्र 50 रुपये की कटी थी। समय के साथ टोल दरें बढ़ीं और आज कार चालकों को एक तरफ की यात्रा के लिए 190 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। अब करनाल टोल एक नए इतिहास का गवाह बनने जा रहा है। 24 वर्षों तक बैरियर, लंबी कतारों और टोल बूथों के सहारे चलने वाला यह टोल प्लाजा जल्द ही तकनीक आधारित मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) प्रणाली में बदल जाएगा, जहां वाहन बिना रुके गुजरेंगे और टोल कट जाएगा। गांव उचाना क्षेत्र से शुरू हुआ यह टोल प्लाजा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर उत्तर भारत के सबसे व्यस्त टोल प्लाजाओं में गिना जाता है। यहां लगाए अत्याधुनिक कैमरे, सेंसर व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणाली टोल वसूली की जिम्मेदारी संभालेंगे।

बैरियर होंगे इतिहास

एमएलएफएफ प्रणाली लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर वाहनों को रुकने की आवश्यकता नहीं होगी। कैमरे नंबर प्लेट पढ़ेंगे और फास्टैग से टोल स्वतः कट जाएगा। जाम और लंबी कतारों से राहत मिलेगी।

करनाल। 24 साल पुराने करनाल टोल प्लाजा पर लगी अत्याधुनिक गैंट्री और कैमरे। जल्द ही इसी तकनीक के जरिए बिना रुके वाहनों से टोल वसूला जाएगा।

स्थानीय वाहन चालकों के लिए भी बदलेगा सिस्टम

नई व्यवस्था में स्थानीय वाहनों की पहचान भी पूरी तरह डिजिटल होगी। 20 किलोमीटर दायरे के निवासियों के लिए मासिक पास की सुविधा जारी रहने की संभावना है, हालांकि अंतिम निर्णय सरकारी अधिसूचना के बाद स्पष्ट होगा।सूत्रों के अनुसार टोल से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए 350 रुपये मासिक पास की सुविधा जारी रह सकती है। हालांकि अंतिम व्यवस्था और पात्रता संबंधी नियम सरकार की अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होंगे। नई प्रणाली में सभी वाहनों की पहचान कैमरों और फास्टैग के माध्यम से होगी, इसलिए स्थानीय वाहन चालकों को भी फास्टैग सक्रिय रखना जरूरी होगा।

32 कैमरे और सेंसर संभालेंगे पूरी व्यवस्था

नई प्रणाली के तहत स्थापित अत्याधुनिक कैमरे, आरएफआईडी रीडर और एआई आधारित सॉफ्टवेयर हर वाहन की पहचान कर टोल वसूली की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

फास्टैग नहीं तो घर पहुंचेगा नोटिस

फास्टैग निष्क्रिय होने, नंबर प्लेट छिपाने या खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने पर वाहन मालिक को ई-नोटिस जारी होगा। निर्धारित समय में भुगतान नहीं करने पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जा सकेगा।

24 साल में टोल : एक नजर

22 जून 2002 : शुरुआत
पहली पर्ची : 50 रुपये
22 जून 2026 : 24 वर्ष पूरे
वर्तमान कार टोल : 190 रुपये
अगला चरण : फ्री-फ्लो एमएलएफएफ प्रणाली

अब ऐसे कटेगा टोल

वाहन नहीं रुकेंगे
कैमरे नंबर प्लेट पहचानेंगे
फास्टैग स्वतः स्कैन होगा
खाते से सीधे कटेगी राशि
जाम-कतारों से राहत मिलेगी

25 वर्ष के सफर के पांच बड़े पड़ाव

2002 : करनाल टोल की शुरुआत
स्थान परिवर्तन के विभिन्न चरण
बस्ताड़ा में स्थायी संचालन
फास्टैग आधारित टोलिंग
2026 : फ्री-फ्लो एमएलएफएफ की तैयारी

नोटिफिकेशन मिलते ही औपचारिक शुरुआत: टोल प्रबंधन

करनाल टोल प्लाजा के प्रबंधक मुकेश कुमार के अनुसार एमएलएफएफ प्रणाली की सभी तकनीकी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। 23 जून से नई व्यवस्था लागू होने की चर्चा है, लेकिन अभी तक संबंधित विभागों से आधिकारिक अधिसूचना प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अंतिम आदेश मिलते ही नई प्रणाली की औपचारिक शुरुआत कर दी जाएगी। इसके बाद वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता नहीं होगी और पूरी प्रक्रिया स्वचालित रूप से संचालित होगी।

बाबैन में धमाके के साथ मंदिर का 108 फुट ऊंचा गुंबद गिरा, मलबे में दबकर सेवादार की मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के बाबैन क्षेत्र में रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसा सामने आया। सुबह करीब चार बजे उप ज्योतिर्लिंग नागेश्वर महादेव धाम मंदिर की इमारत में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद मंदिर का 108 फीट ऊंचा गुंबद और भवन का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया। हादसे में मंदिर परिसर में सो रहे सेवादार नटराजन गिरी (70) की मलबे के नीचे दबने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अलसुबह हुए धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए और मंदिर की ओर दौड़े। मौके पर पहुंचने पर लोगों ने देखा कि मंदिर का गुंबद पूरी तरह ध्वस्त हो चुका था और भवन का अधिकांश हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और मलबे में दबे लोगों की तलाश की। इसी दौरान सेवादार नटराजन गिरी मलबे के नीचे दबे मिले। उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

नागेश्वर महादेव धाम मंदिर आस्था का केंद्र

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। नागेश्वर महादेव धाम मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन करने, जलाभिषेक करने और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते थे। ग्रामीण अक्सर मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों और सत्संगों का आयोजन भी करते थे। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है ताकि मंदिर भवन गिरने और धमाके के कारणों का पता लगाया जा सके। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भवन के ध्वस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की सहायता ली जा रही है।

एक असफलता, एक परीक्षा रद्द इसके बाद तनाव में आई हिसार की छात्रा

अब तीसरे प्रयास से पहले जान दे गई सिमरन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने का सपना संजोए हिसार की 19 वर्षीय सिमरन तीसरे प्रयास में नीट परीक्षा देने की तैयारी कर रही थी, लेकिन परीक्षा से पहले ही उसकी जिंदगी की डोर टूट गई।

बरवाला क्षेत्र के गांव ढाणी खान बहादुर निवासी सिमरन ने रविवार सुबह कथित रूप से घर में रखा कीटनाशक पी लिया। बाद में उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार सिमरन राजस्थान के सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। वह इससे पहले दो बार परीक्षा दे चुकी थी। पहले प्रयास में उसे सफलता नहीं मिली, जबकि दूसरे प्रयास में परीक्षा रद्द हो जाने से उसे बड़ा झटका लगा था। इसके बावजूद उसने हार नहीं मानी और तीसरे प्रयास के लिए लगातार मेहनत कर रही थी।

- पेपर लीक के कारण मानसिक तनाव में थी 19 साल की युवती
- डॉक्टर बनने का सपना था, दबाव ने छीन ली जिंदगी
- राजस्थान के सीकर में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी

पिता बोले-तनाव में थी बेटी

सिमरन के पिता रोहताश ने बताया कि उनकी बेटी डॉक्टर बनना चाहती थी और पिछले कुछ समय से पेपर लीक व परीक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण मानसिक तनाव में थी। रविवार सुबह उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे स्थानीय चिकित्सक के पास लेकर गए। बाद में उसने कीटनाशक सेवन करने की बात बताई। गंभीर हालत में उसे हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

प्रतियोगी परीक्षाओं पर फिर सवाल

सिमरन की मौत ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव, युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और परीक्षा प्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार का कहना है कि बेटी ने डॉक्टर बनने के सपने के लिए दिन-रात मेहनत की थी, लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही उसका सफर थम गया।

देश में 37 दिन में 13 छात्र दे चुके जान

नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और री-टेस्ट की अनिश्चितता के बीच मई में परीक्षा रद्द होने और 21 जून को हुए री-टेस्ट के बीच देशभर में करीब 37 दिनों में कम से कम 13 छात्र जान दे चुके हैं। वहीं, पिछले कुछ दिनों में गाजियाबाद, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, देहरादून और सीकर सहित कई शहरों से ऐसे मामले सामने आए हैं।

किसी भी परीक्षा से बड़ी है जिंदगी

लगातार बढ़ता परीक्षा का दबाव, असफलता का भय और भविष्य को लेकर अनिश्चितता छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही हैं। किसी भी परीक्षा से बड़ी छात्र की जिंदगी होती है। नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव तब खतरनाक हो जाता है, जब छात्र अपनी पहचान को केवल रैंक और चयन से जोड़ लेते हैं। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत समर्थन और संवाद की होती है, न कि लगातार अपेक्षाओं के दबाव की। यदि कोई छात्र तनाव, निराशा या असफलता महसूस कर रहा है तो उसे अकेला न छोड़ें। कुछ मिनट की बातचीत, भावनात्मक सहारा और सही मार्गदर्शन कई बार एक जिंदगी बचा सकता है। असफलता अंत नहीं, नए अवसरों की शुरुआत है।

-प्रो. अंजलि मलिक, मनोविज्ञान विभाग अध्यक्ष, मदवि

खबर संक्षेप

एसबीआई म्यूचुइल फंड को आईपीओ लाने मंजूरी मिली

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड को बाजार नियामक सेबी से अपना आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। मार्च में दाखिल विवरण पुस्तिका (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित सार्वजनिक पेशकश पूरी तरह से 20.37 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, जिसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है। इस पेशकश में प्रवर्तकों, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एमुंडी इंडिया होल्डिंग अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे।

बीते सप्ताह सोयबीन और मूंगफली तेल में रहा सुधार

नई दिल्ली। आम तौर पर बाजार में लिवाली प्रभावित रहने के बीच बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन

तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन के बड़े प्लांट वालों द्वारा खरीद दाम बढ़ाने के कारण सोयाबीन तिलहन, आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता होने और मांग बढ़ने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया।

बीकानेरवाला, मैरिको और परम डेयरी को नोटिस

नई दिल्ली। खाद्य नियामक, एफएसएसएआई ने बीकानेरवाला, मैरिको लिमिटेड और परम डेयरी समेत खाद्य पदार्थों के कारोबार से जुड़ी कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस उत्पादों के बारे में कथित भ्रामक दावों, लेबलिंग नियमों के उल्लंघन और ग्राहकों की शिकायतों के कारण जारी किए गए हैं।

फसाई ने कसा शिकंजा, अब खाने-पीने की चीजों पर झूठा दावा पड़ेगा भारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीवी ऐड हो या मार्केट या फिर सोशल मीडिया, कई बार आपने कंपनियों के ऐसे प्रोडक्ट देखे होंगे जिन पर नेचुरल या फिर प्योर जैसे बड़े दावे किए जा रहे हों। पर सवाल ये है कि क्या ये दावे सच्चाई पर खरा उतरते हैं? जवाब आपको ज्यादातर ना में ही मिलेगा। इन बढ़ते फेक मामलों को देखते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) के साथ कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी यानी सीसीपीए ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। हाल ही में दो अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है।

सौ प्रतिशत का झूठा दावा और तेल का नाम नहीं छुपा पाएंगे

फसाई के रडार पर 'रिश्ते नमकीन'

पहला मामला फसाई से जुड़ा है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक ग्राहक की शिकायत के बाद फसाई ने रिश्ते नमकीन को एक नोटिस दिया है। ग्राहक ने शिकायत की थी कि कंपनी के दो पॉपुलर प्रोडक्ट्स फरसान स्ट्रीट मसाला पत्ता और फरसान स्ट्रीट रोस्टेड मिलेट भेल के पैकेट पर सिर्फ खाद्य वनस्पति तेल लिखा था। लेकिन ये साफ नहीं किया था कि वो कौन सा तेल है। फसाई के अनुसार ये फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशंस, 2020 के नियमों का उल्लंघन है। इन नियमों के अनुसार कंपनी को बताना जरूरी है कि वो प्रोडक्ट में किस तेल, जैसे पाम ऑयल, मूंगफली का तेल, या राइस ब्रैन ऑयल का इस्तेमाल कर रही हैं।

फसाई ने मांगा जवाब

इस पूरे मामले पर फूड सेफ्टी अथॉरिटी ने कंपनी को निर्देश देते हुए कहा है कि, कंपनी ये बताए कि उसने लेबल पर तेल का नाम क्यों नहीं लिखा? साथ वो साबित करे कि उन्होंने 2020 के लेबलिंग नियम नहीं तोड़े हैं। साथ ही एक कार्रवाई रिपोर्ट जमा करे, जिसमें बताए कि गलती सुधारने और भविष्य में ऐसी कमी दोबारा ना होने देने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

स्टोरिया फूड्स और मिसेज बेक्टर्स पर जुर्माना

वहीं दूसरे केस में सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स और मिसेज बेक्टर्स नाम की बड़ी कंपनियों पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पीआईबी के अनुसार इन कंपनियों पर आरोप है कि इन्होंने अपने प्रोडक्ट्स के ऐड और पैकेजिंग पर 100 प्रतिशत शब्द का झूठा दावा किया। सीसीपीए ने साफ कहा कि 100 प्रतिशत वाले दावा मतलब एब्सोल्यूट न्यूमेरिकल क्लेम की कैटेगरी में ये आता है। मतलब ये कि अगर आप 100 प्रतिशत लिख रहे हैं तो आपकी कही हुई बात प्रोडक्ट में होनी ही चाहिए।

कंपनी के पोर्टफोलियो में प्राकृतिक गैस का हिस्सा अधिक हो गया

ओएनजीसी अब 'तेल और गैस' नहीं 'गैस और तेल' कंपनी बन चुकी : चेयरमैन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) अब केवल 'तेल और गैस' नहीं बल्कि 'गैस और तेल' कंपनी बन चुकी है। कंपनी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने यह बात कही है। सिंह ने कहा कि अब कंपनी के पोर्टफोलियो में प्राकृतिक गैस का हिस्सा कच्चे तेल से अधिक हो गया है। सिंह ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि ओएनजीसी के कुल उत्पादन में अब गैस का योगदान तेल से थोड़ा अधिक है और भविष्य में कंपनी की वृद्धि मुख्य रूप से गैस उत्पादन के दम पर होगी। उन्होंने कहा कि बड़े नए तेल भंडारों की खोज नहीं होने की स्थिति में कच्चे तेल का उत्पादन लगभग स्थिर रहने की संभावना है, जबकि गैस उत्पादन लगातार बढ़ेगा।

■ भविष्य में कंपनी की वृद्धि मुख्य रूप से गैस उत्पादन के दम पर होगी

नए गैस कुओं का हिस्सा तेजी से बढ़ रहा

सिंह ने कहा कि गैस को भारत के ऊर्जा परिदृश्य में अधिक मूल्यवान ईंधन माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी के कुल गैस उत्पादन में 'नए गैस कुओं' का हिस्सा तेजी से बढ़ रहा है और यह फिलहाल कुल गैस उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत है। निकट भविष्य में इसके 30-36 प्रतिशत तक पहुंचने और आगे चलकर कंपनी के गैस पोर्टफोलियो में प्रमुख हिस्सेदारी लेने की संभावना है, क्योंकि पुराने गैस क्षेत्रों का उत्पादन धीरे-धीरे घटेगा।

परिवहन क्षेत्र में गैस के उपयोग का विस्तार

चेयरमैन ने कहा, "गैस अब हमारे पोर्टफोलियो में तेल से थोड़ी अधिक है। इसलिए हमें तेल एवं गैस कंपनी नहीं, बल्कि गैस एवं तेल कंपनी कहा जाना चाहिए।" सिंह के अनुसार, भारत में प्राकृतिक गैस की मांग लगातार बढ़ रही है। परिवहन क्षेत्र में गैस के उपयोग का विस्तार, सरकार की मूल्य निर्धारण सुधार नीतियां और नए गैस क्षेत्रों का विकास इसे अधिक आकर्षक बना रहे हैं।

गैस उत्पादन में 8 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य चल रहा

सिंह ने कहा कि कंपनी अगले कुछ वर्षों में गैस उत्पादन में सालाना 7-8 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह वृद्धि डीयूडीपी, डीएसएफ क्षेत्रों तथा 98/2 जैसी अपतटीय (ऑफशोर) परियोजनाओं से मिलेगी, जिनमें से कई अगले वित्त वर्ष में उत्पादन शुरू करेंगी।

नई नीतियों से आर्थिक स्थिति बेहतर हुई

चेयरमैन ने कहा कि सरकार द्वारा रॉयल्टी में कमी, बाजार आधारित मूल्य निर्धारण व्यवस्था को बढ़ावा और गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए समर्थन जैसी नीतियों से इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है तथा अपस्ट्रीम कंपनियों के पास अधिक राजस्व बच रहा है। ओएनजीसी समूह के कारोबार में अन्वेषण एवं उत्पादन (ईएंडपी) खंड की हिस्सेदारी लगभग दो-तिहाई है।

कंपनी हर वर्ष 500 कुओं की खुदाई करती है

कंपनी हर वर्ष करीब 500 कुओं की खुदाई करती है, जिनमें खोजी और उत्पादन दोनों प्रकार के कुएं शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का आरक्षित नियोजन अनुपात 1.1 से अधिक रहा, जो यह दर्शाता है कि उत्पादित भंडारों की भरपाई सफलतापूर्वक की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की स्वच्छ ऊर्जा रणनीति और बढ़ती गैस खपत को देखते हुए ओएनजीसी का यह गैस-केंद्रित बदलाव कंपनी के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

भारत की ईवी कंपनियों की निगाह ब्रिटेन के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भारतीय वाहन विनिर्माताओं के लिए ब्रिटेन के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में नए अवसर खुलने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स जैसी कंपनियां इस समझौते के तहत ब्रिटेन में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्यात की संभावनाओं का आकलन कर रही हैं। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते से 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह समझौता 15 जुलाई से लागू होगा। भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के अनुसार, भारत को ब्रिटेन के इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन चालित यात्री वाहनों के बाजार में चरणबद्ध तरीके से शुल्क-मुक्त निर्यात की सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था समझौते के छठे वर्ष से लागू होगी और निर्धारित कोटा प्रणाली के तहत संचालित होगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अध्यक्ष (वाहन कारोबार) वेलुसामी आर ने कहा कि यह समझौता भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है।

■ मुक्त व्यापार समझौते से बाजार में नए अवसर खुलने की उम्मीद

टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने वाला कदम

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रवक्ता ने भी इस समझौते को भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने तथा टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध और कोटा-आधारित व्यवस्था भारत निर्मित इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ब्रिटेन में नए निर्यात अवसर उपलब्ध कराएगी।

कोटा के भीतर ब्रिटेन में शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा

समझौते के तहत 80,000 पाउंड तक की कीमत वाले भारतीय इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन यात्री वाहनों को निर्धारित कोटा के भीतर ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। छठे वर्ष में कुल 17,600 वाहनों के निर्यात की अनुमति होगी, जबकि 15वें वर्ष तक यह कोटा बढ़कर 88,000 वाहनों तक पहुंच जाएगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेंगी सोने-चांदी की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान वार्ता से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़े अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

बाजार की नजर विशेष रूप से स्विट्जरलैंड में होने वाली वार्ता पर रहेगी, जहां अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत का नेतृत्व करने की उम्मीद है। यह बातचीत पिछले

सप्ताह बनी उस रूपरेखा पर आगे बढ़ेगी, जिसका उद्देश्य तनाव समाप्त करना है। विश्लेषकों के मुताबिक, इन वार्ताओं का प्रभाव निवेशकों के जोखिम लेने की धारणा और ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर सकता है, जिसका सीधा असर बहुमूल्य धातुओं पर पड़ेगा। घरेलू जिंस बाजार शुक्रवार को सुबह के सत्र में मुहर्रम के कारण बंद रहेंगे। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, "सोने और चांदी का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में बना हुआ है, क्योंकि बाजार की नजर अमेरिका-ईरान वार्ता तथा खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल, एलएनजी की आपूर्ति पर है।

टाटा मोटर्स को मिले 3,400 से अधिक ईवी वाहन के ऑर्डर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स को माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स और यात्री परिवहन के लिए 3,400 से अधिक इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों (ई-सीवी) के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि इन ऑर्डर में लगभग 2,000 छोटे वाणिज्यिक वाहन और पिक-अप, 900 ट्रक तथा 500 बसें शामिल हैं। इन वाहनों का उपयोग ई-वाणिज्य, लॉजिस्टिक, रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों, शहर के भीतर परिवहन सेवाओं आदि में किया जाएगा। टाटा मोटर्स ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में इन वाहनों की तैनाती वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में ई-परिवहन समाधान के प्रति ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। साथ ही यह संकेत देती है कि विद्युत वाहनों का उपयोग अब केवल परीक्षण परियोजनाओं तक सीमित न रहकर बड़े पैमाने पर नियमित परिचालन का हिस्सा बन रहा है।

■ कंपनी को इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों का ऑर्डर मिला

12 महीनों से पोर्टफोलियो को मजबूत किया

कंपनी ने कहा कि पिछले 12 महीनों में उसने अपने इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन पोर्टफोलियो को काफी मजबूत किया है और विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं तथा कार्य परिस्थितियों के अनुरूप नयी पीढ़ी के ई-वाणिज्यिक वाहन पेश किए हैं।

तेल व विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली । इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार की दिशा अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता के नतीजों, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय व्यक्त की है। विश्लेषकों के अनुसार, रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की वार्ता होने वाली है। शुक्रवार को 'मुहर्रम' के कारण शेयर बाजार बंद रहेंगे। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, "निवेशकों का ध्यान आगामी सप्ताह में अमेरिका-ईरान शांति प्रक्रिया से जुड़े घटनाक्रमों पर केंद्रित रहेगा। कच्चे तेल की कीमतें एक प्रमुख कारक बनी रहेंगी। इनकी स्थिरता भारत के वृहद आर्थिक दृष्टिकोण को समर्थन देगी, जबकि पश्चिम एशिया में संबंधों में किसी भी तरह की गिरावट से बाजार में फिर से अस्थिरता बढ़ सकती है।

खुले बाजार में शेयरों की पुनर्खरीद एक अगस्त से

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में शेयरों की पुनर्खरीद को एक अगस्त से दोबारा शुरू करने का फैसला किया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निदेशक मंडल की बैठक में यह तय किया गया कि पुनर्खरीद की प्रक्रिया निर्गम खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवसों के भीतर पूरी करनी होगी। साथ ही, निर्धारित राशि का कम-से-कम 40 प्रतिशत हिस्सा पुनर्खरीद अवधि के पहले आधे हिस्से में उपयोग करना अनिवार्य होगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मैसर्स जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, ओ.पी. जिंदल मार्ग, हिसार, हरियाणा – 125005 स्थित अपनी मौजूदा हॉट रोलिंग डिवीजन (63 हेक्टेयर क्षेत्रफल) के लिए पर्यावरण स्वीकृति (Environmental Clearance - EC) प्राप्त हो गई है।

उक्त पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA), हरियाणा द्वारा EC Identification No. EC25B1011HR5149481N, File No. IA-J-11011/110/2025-IA-II (Ind-I) दिनांक 26.05.2026 के माध्यम से प्रदान की गई है। पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित विवरण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) तथा SEIAA, हरियाणा की वेबसाइटों पर आम जनता की जानकारी हेतु उपलब्ध हैं।

मैसर्स जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, हिसार
दिनांक: 18.06.2026 विजय कुमार बिंदलिश
स्थान: हिसार (यूनिट हेड)

आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड के मानदंडों में किया संशोधन

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के मानदंडों में संशोधन किया है। इसके तहत ऋण मंजूर करने एवं चुकाने के कार्यक्रमों में एकरूपता लाने के मकसद से फसल सीजन की परिभाषा को एक जैसा किया गया है। आरबीआई (वाणिज्यिक बैंक–केसीसी योजना) निर्देश 2026 अगले वर्ष जनवरी से लागू होंगे।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि ये निर्देश केसीसी योजना के तहत बैंक प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता की रूपरेखा तैयार करने के लिए जारी किए जा रहे हैं। इसका मकसद खेती और उससे जुड़े कामों में लगे कर्जदारों की कार्यशील पूंजी और निवेश ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 6264

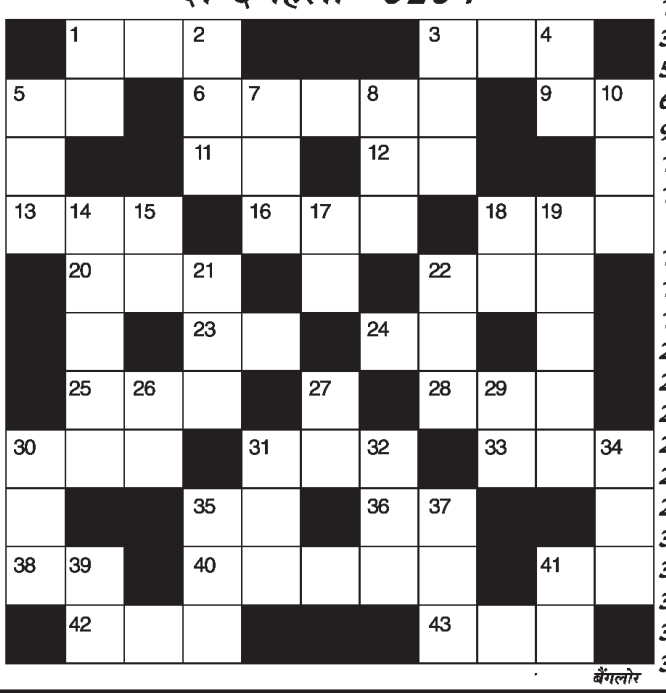

बैंगलोर

बाएँ से दाए-
1. ईश्वर, करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2, 1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत, दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन, पगार-3
16. मनोनीत, नामकृत-3
18. बंधक, गिरवी वस्तु-3
20. निशा, रात्री-3
22. वचन, प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य, कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार, फटकार-3
30. हवा, पवन-3
31. झाझर, कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर, भूत-2
40. परोपकारी, जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान, खजांची-3
4. पैगंबर, रसूल-2
5. झूठ, मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम, मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा, दोस्त-2
18. मजा, आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः, वापस-2
27. मर्करी, पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त, टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा, विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -6263 का हल

का		बु	आ		द		स	खत		मु
र	क्त		कु	क	र	मु	ना		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				वे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
ईं		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	वि
सं		गी	त		म		ना	नी		ल

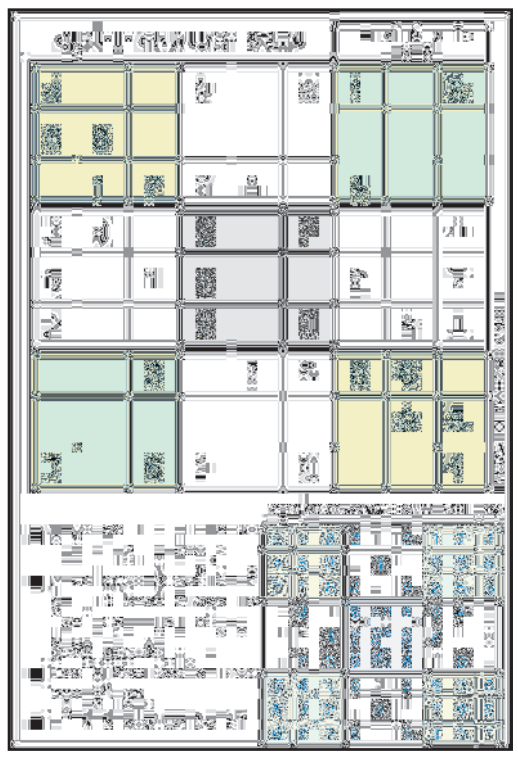

समुद्र की गहराई से लेकर 14000 फीट की ऊंचाई तक बना योग का एक बड़ा संयोग, समूचे भारत ने इस कार्यक्रम में की अपनी भागीदारी

देशभर में आज 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस वर्ष का मुख्य कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित किया गया, जहां प्रधानमंत्री ने हजारों लोगों के साथ सामूहिक योग किया। लखनऊ, पटना, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद और दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। योग दिवस के कार्यक्रम में कई मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

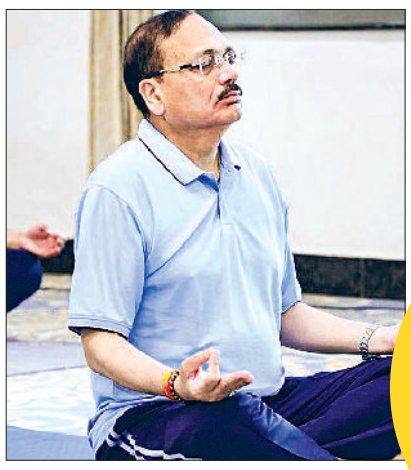
योग करते हुए सीजेआई सूर्यकांत

योग
अब बन गया एक वैश्विक जन-आंदोलन
देशभर में मनाया गया योग दिवस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में आज 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस वर्ष का मुख्य कार्यक्रम पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित किया गया, जहां पीएम नरेंद्र मोदी ने हजारों लोगों के साथ सामूहिक योग किया। कोलकाता की रेड रोड पर आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 35 से 40 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। आयोजकों का दावा है कि यह आयोजन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हो सकता है। योग दिवस के अवसर पर लखनऊ, पटना, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद और दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह से ही पार्कों, स्कूलों, सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों ने योगाभ्यास किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा एक प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद हर वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इतने वर्षों में यह आयोजन एक वैश्विक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। आज दुनिया भर के लाखों लोग योग सत्रों, स्वास्थ्य एवं कल्याण संबंधी गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य

योग दिवस पर पूरी दुनिया में एक समान अभ्यास के लिए आयुष मंत्रालय ने कॉमन योग प्रोटोकॉल तैयार किया गया। करीब 45 मिनट के कार्यक्रम में प्रार्थना, हल्के व्यायाम, विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' रखी गई है। इसका मकसद बढ़ती उम्र में बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

दिसबर 2014 से लेकर अब तक दुनिया के 190 देशों ने इस आयोजन को अपनाया

लेह में उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन योग करते हुए।

स्वस्थ जीवन का संदेश

योग दिवस अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। लद्दाख की बर्फीली चोटियों, सियाचिन ग्लेशियर, नौसेना के युद्धपोतों से लेकर पेरिस के एफिल टॉवर और टाइम्स स्क्वायर तक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे योग एक वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में स्थापित हो चुका है। योग दिवस के साथ-साथ 21 जून का दिन कई ऐतिहासिक घटनाओं का भी साक्षी रहा है। यही वजह है कि यह तारीख स्वास्थ्य, संस्कृति और इतिहास के लिहाज से विशेष महत्व रखती है। आज दुनिया भर में करोड़ों लोगों ने स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रतिबद्धता को दोहराया

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज देशभर में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अत्यधिक उत्साह और सक्रिय जनभागीदारी के साथ मनाया। इस अवसर पर योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य, आरोग्य और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

ध्यान मुद्रा में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा

स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था का एक समग्र मार्ग

इस वर्ष के विषय बढ़ती उम्र में स्वस्थ रहने के लिए योग का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि योग शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था का एक समग्र मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तनाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के इस दौर में योग शरीर और मन के बीच संतुलन एवं सामंजस्य स्थापित करने का एक कुदरती और स्थायी उपाय है। नड्डा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है, जो व्यक्ति और सार्वभौमिक चेतना के बीच गहरे संबंध को विकसित करती है। योग हमें मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

दिग्गजों ने भी किया योग

अहमदाबाद में योग करते गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली में योग मुद्रा में स्पीकर बिरला

शिलांग में योगाभ्यास करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

रेल और कानून मंत्री योग कार्यक्रम में शामिल हुए

योग करते उप सभापति हरिवंश सिंह

खबर संक्षेप

आजम की बढ़ीं मुश्किलें आईटी ने भेजा नोटिस

रामपुर। जेल में सजा काट रहे सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम

खान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। खान के जौहर ट्रस्ट को आयकर विभाग ने सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया है। भाजपा के विधायक आकाश सक्सेना का कहा कि ट्रस्ट में खान के परिवार के लोग हैं।

मोशेरेफ हुसैन का टीएमसी से इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर मची आंतरिक कलह थमने का नाम नहीं ले रही

है। अब पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है, जिससे टीएमसी का अल्पसंख्यक सेल भी टूटता हुआ नजर आ रहा है। सेल के स्टेट प्रेसिडेंट मोशरेफ हुसैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हुसैन इटाहार से टीएमसी के विधायक हैं।

रॉय पर धोखाधड़ी और जालसाजी का नया केस

कोलकाता। टीएमसी नेता और सांसद अभिषेक बेनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय की मुश्किलें

बढ़ती जा रही हैं। बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का नया मामला दर्ज किया गया है। रॉय पहले से ही एक कथित भूमि कब्जा (लैंड ग्रैब) मामले में आरोपी हैं। पुलिस ने लुकआउट जारी किया है।

विजयन की बेटी की मुश्किलें, 29 को पेश हों

तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व सीएम पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की मुश्किलें बढ़ती नजर

आ रही हैं। ईडी ने सीएमआरएल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वीणा को दोबारा समन जारी कर 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। 17 जून को उनसे 9 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की एसआईटी कर रही जांच पड़ताल

जांच एजेंसी रिपोर्ट लेकर पहुंची लखनऊ

प्राथमिक रिपोर्ट आज पेश होने के संकेत 'जिम्मेदारों' पर कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

अयोध्या राम मंदिर में चंदा, भूमि खरीद, प्रसाद वितरण और अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी प्राथमिक रिपोर्ट सोमवार को सरकार को सौंप सकती है। सूत्रों के मुताबिक एक सप्ताह तक चली गहन जांच के बाद करीब 170 पेज से अधिक की रिपोर्ट तैयार की गई है। टीम ने ट्रस्ट से जुड़े दस्तावेजों, वित्तीय अभिलेखों और विभिन्न शिकायतों का परीक्षण किया है। रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपे जाने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जा सकता है।एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य अनिल मिश्र और विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव के नाम चर्चा में हैं। माना जा रहा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जा सकता है। साथ ही ट्रस्ट के ढांचे में बदलाव और प्रशासनिक सुधार की सिफारिशें भी रिपोर्ट का हिस्सा हो सकती हैं।

170
पेज की रिपोर्ट तैयार ट्रस्ट के 3 पदाधिकारियों पर उठे सवाल

चंदा, भूमि खरीद और खर्चों की गहन जांच की

एसआईटी ने जांच में दानपात्रों की धनराशि के उपयोग, भूमि खरीद, जमीन अधिग्रहण, निर्माण कार्यों और अन्य खर्चों की विस्तार से समीक्षा की । 2021 तक के पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले गए। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की गई। रिपोर्ट में वित्तीय लेन-देन और निर्णय प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख किया गया है।

जांच में पूर्व चंदा प्रभारी इंजीनियर दीनानाथ वर्मा और पूर्व कर्मचारी महिपाल द्वारा लगाए गए आरोपों को भी शामिल किया गया है। आरोप था कि कार्यालय निर्माण सहित कई मामलों में अनियमितताएं हुईं>जांच टीम ने इन शिकायतों से जुड़े दस्तावेजों और उपलब्ध साक्ष्यों का भी परीक्षण किया है। इसी को आधार बनाया है।

सुरक्षा अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कार्रवाई तय

प्रारंभिक रिपोर्ट में केवल वित्तीय मामलों ही नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की भी जांच की गई है। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप मिले हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की जा सकती है। जांच पूरी होने तक ट्रस्ट पदाधिकारियों और संदिग्ध कर्मचारियों के अयोध्या से बाहर जाने पर रोक लगाए जाने की भी चर्चा है।

रिपोर्ट के बाद मुकदमा और गिरफ्तारी की अटकलें शुरू

यदि प्राथमिक रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि होती है तो संबंधित मामलों में मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। चंदा गबन और अन्य वित्तीय अनियमितताओं में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों की गिरफ्तारी की संभावना भी जताई जा रही है। ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। चर्चा है कि भविष्य में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में किसी वरिष्ठ सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अंतिम निर्णय सरकार और संबंधित प्राधिकारियों द्वारा रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ही लिया जाएगा।

केवल 200 करोड़ की नकदी चोरी कई बड़े नाम शामिल: केजरीवाल

चढ़ावे से जुड़ी गड़बड़ी मामले को लेकर विपक्ष ने भाजपा पर हमला तेज कर दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वीडियो जारी कर केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को निशाने पर लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केवल नकदी के रूप में ही करीब 200 करोड़ रुपए चोरी होने की बात कही जा रही है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के दान पर उठे सवाल

फलाहारी महाराज ने मांगा 15 साल का हिसाब- किताब

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर की दान व्यवस्था और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर संत समाज के प्रमुख संत दिनेश फलाहारी महाराज ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मंदिर के प्रबंध न्यासी अनुराग डालमिया को पत्र लिखकर पिछले 15 वर्षों में मंदिर में प्राप्त दान, आभूषण, सोना, चांदी और अन्य भेंटों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। बाबा ने आरोप लगाया है कि दान की गणना और दान-पात्र खोलने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है।

मथुरा स्थित मंदिर का मामला

सीजेपी ने टॉर्च जलाकर प्रदर्शन किया

जंतर-मंतर पर सभी समर्थक रहे खड़े, प्रधान के इस्तीफे पर अड़े

भारी पुलिस बल रहा तैनात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक शनिवार पूरी रात और रविवार को भी दिल्ली के जंतर-मंतर पर डटे हैं। अभिजीत दीपके ने कहा है कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते, वे यहां से नहीं हटेंगे। पार्टी के समर्थकों ने मोबाइल फोन का टॉर्च जलाकर विरोध प्रदर्शन को जारी रखा। दिल्ली पुलिस ने शनिवार शाम को 5 बजे बाद प्रदर्शन को जारी रखने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने अपील की थी कि उन्हें जंतर-मंतर छोड़ देना चाहिए। दीपके ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर अपील की है कि रविवार सुबह 9 बजे सभी लोग जंतर-मंतर पर पहुंचें। उन्होंने कहा कि लोगों के समर्थन के बिना उनकी यह मुहिम सफल नहीं होगी। उन्होंने अपनी मांग को दोहराया कि प्रधान को इस्तीफा देना पड़ेगा वरना वे जंतर-मंतर से नहीं हटेंगे।

वांगचुक भी हुए शामिल, 27 से अनशन शुरू करेंगे

इस दौरान जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। वांगचुक ने घोषणा की कि यदि मंत्री प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं तो वे 27 जून से अनशन शुरू करेंगे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने दीपके के आह्वान पर 'थाली और चम्मच' बजाकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पूरा प्रदर्शन स्थल 'धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो' के नारों से गूंज उठा। दीपके ने कहा कि अगर थाली बजाने से कोरोना को भगाया जा सकता है, तो थाली बजाकर प्रधान को भी भगाया जा सकता है।

मुस्लिम युवक ने खिलाया खाना

कड़ी धूप और इस आंदोलन के बीच जंतर-मंतर पर आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। दिल्ली के ही एक स्थानीय मुस्लिम निवासी ने अपनी खुद की मेहनत की कमाई से आंदोलनकारी छात्रों के लिए मुफ्त भोजन और पीने के पानी का इंतजाम किया।इस युवक ने कहा रि अगर हम अपनी ही सरकार से सवाल नहीं करेंगे और सत्ता में बैठे लोगों से जवाबदेही नहीं मांगेंगे, तो फिर कौन मांगेगा? यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। एक ही सामूहिक मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

जलपाईगुड़ी में सड़क हादसा

खड़े ट्रेलर से टकराई बस 4 की मौत और 50 घायल

एजेंसी ▶▶ जलपाईगुड़ी

मयनागुड़ी के उल्लाडाबरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में उत्तर बंग राज्य परिवहन

निगम की एक बस खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक यात्री घायल हो गए। इनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सिलीगुड़ी से कूचबिहार जा रही एनबीएसटीसी की बस उल्लाडाबरी में सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर के पीछे जा भिड़ी। ट्रेलर का पिछला हिस्सा बस के अंदर घुस गया।

बस का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक बड़ा मालवाहक ट्रेलर सड़क किनारे खड़ा था। सरकारी बस ने पीछे से ट्रेलर में जोरदार टक्कर मार दी. खराब मौसम और लगातार हो रही बारिश के बीच हुए इस हादसे में बस का एक हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा

राहुल बस एक मोहरा, सुनियोजित दुष्प्रचार कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' परविवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस मोदी सरकार पर

निशाना साध रही है, वहीं सरकार प्रोजेक्ट से होने वाले फायदे गिनाने में लगी है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। रिजिजू ने कहा कि राहुल रणनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण 'ग्रेट निकोबार आइलैंड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' के खिलाफ एक सुनियोजित प्रचार फैला रहे हैं।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस पर बोला हमला

राहुल ने अंडमान में स्कूबा डाइविंग पर 26 करोड़ खर्च किए

रिजिजू ने दावा करते हुए कहा कि राहुल ने अंडमान में स्कूबा डाइविंग पर 26 करोड़ खर्च किए और इसे समुद्री जीवन की चिंताओं से जोड़कर इस प्रोजेक्ट के खिलाफ जानबूझकर माहौल बनाया गया है। भारत के पर्यावरण कानून बेहद मजबूत हैं और कोई भी मनमाने ढंग से पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट नहीं कर सकता।

सरकार ने उठाए कई ऐतिहासिक कदम

परियोजना के आर्थिक और सामरिक महत्व को समझाते हुए मंत्री रिजिजू ने 'ब्लू इकोनॉमी' और 'डीप ओशन मिशन' की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सरकार ने 5,000 मीटर की गहराई में जाकर खनिजों की खोज जैसे बड़े कदम उठाए हैं, जो देश के लिए ऐतिहासिक हैं।

देश की प्रगति को रोक रहा विपक्ष

रिजिजू ने कहा कि राहुल तो बस एक मोहरा हैं। राहुल और उनसे जुड़ा इकोसिस्टम हर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के खिलाफ पीआईएल डालकर और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर देश की प्रगति को रोकना चाहता है। कोई पार्टी चुनाव में हार जाती है तो इसका मतलब यह नहीं वह राष्ट्रीय हित के विकास कार्यों में बाधा डाले।

चिंतन

होर्मुज को हथियार नहीं बनाएं ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग रहने दें

सिरप
डॉ. ओपी त्रिपाठी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल लगाने की चेतावनी देकर नया तनाव खड़ा कर दिया है। इससे एक बार फिर अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। चूंकि दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से होकर ही गुजरता है। ट्रंप का यह फैसला खाड़ी देशों के लिए भी परेशानी खड़ी कर सकता है। ऐसा होने पर दुनियाभर के देश ऊर्जा आपूर्ति के लिए दूसरे रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे। ट्रंप के बयान ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। उनका तर्क है कि मध्य-पूर्व की सुरक्षा पर अमेरिका ने जो खर्च किया है, उसकी भरपाई इस शुल्क से की जा सकती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग को किसी देश की राजनीतिक या आर्थिक रणनीति का उपकरण बनाया जा सकता है? होर्मुज जलडमरूमध्य केवल एक समुद्री रास्ता नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। खाड़ी देशों से निकलने वाला कच्चा तेल एशिया, यूरोप और दुनिया के कई हिस्सों तक इसी रास्ते पहुंचता है। यदि यहां किसी प्रकार का अवरोध, टोल या सैन्य तनाव पैदा होता है तो उसका असर केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अमेरिका यदि सुरक्षा खर्च के नाम पर यहां टोल लगाने की कोशिश करता है तो यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों और मुक्त व्यापार व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। समुद्री मार्ग किसी एक देश की जागीर नहीं होते। वे वैश्विक संपदा हैं, जिनका उपयोग अंतरराष्ट्रीय नियमों और पारस्परिक सहमति के आधार पर होता है। यदि शक्तिशाली देश अपनी सैन्य ताकत के आधार पर ऐसे मार्गों पर शुल्क लगाने लगे तो भविष्य में अन्य रणनीतिक समुद्री मार्गों पर भी इसी प्रकार के दावे सामने आ सकते हैं। इससे वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अस्थिरता बढ़ेगी। खाड़ी देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है। उनकी अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर ऊर्जा निर्यात पर निर्भर करती है। अतिरिक्त शुल्क या राजनीतिक अनिश्चितता उनके निर्यात को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश देश चाहते हैं कि होर्मुज विवाद और शक्ति प्रदर्शन का मंच न बने, बल्कि सुरक्षित और निर्बाध समुद्री मार्ग बना रहे। भारत के लिए यह मुद्दा और भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। भारतीय तेल टैंकरों का सुरक्षित रूप से होर्मुज पार करना फिलहाल राहत की बात है, लेकिन यदि क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या टोल जैसी व्यवस्था लागू होती है तो इसका सीधा असर भारत की आयात लागत पर पड़ेगा। महंगा तेल परिवहन, उद्योग और आम उपभोक्ता की जेब पर भी बोझ बढ़ाता है। ऐसे में भारत जैसे विकासशील देशों के लिए ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज को राजनीतिक दबाव का हथियार बनने से रोके। इसे ऊर्जा आपूर्ति का मार्ग ही रहने दें। दुनिया पहले ही आर्थिक अनिश्चितताओं, महंगाई और क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे में होर्मुज को नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बनाना किसी के हित में नहीं होगा। बेहतर यही है कि इसे शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक सहयोग और आर्थिक स्थिरता के प्रतीक के रूप में देखा जाए। क्योंकि होर्मुज में पैदा होने वाली हलचल केवल समुद्र तक सीमित नहीं रहती, उसकी लहरें पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा में सराहनीय फैसला

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके तहत खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। इन सिरप को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी। सरकार ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में एक नया बदलाव करके कफ सिरप समेत सभी सिरप की बिक्री के नियमों को सख्त कर दिया है। इसका मतलब अब ग्राहकों को फार्मेसी से ऐसी दवाएं खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत पड़ेगी। यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में दूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के कुछ महीनों बाद उठाया गया है। इन घटनाओं ने आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली लिक्विड दवाओं की सुरक्षा और रेगुलेशन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी थीं। इन घटनाओं के बाद सिरप बनाने और बेचने के तरीकों पर कड़ी निगरानी और सख़्त जांच की मांग फिर से उठने लगी थी। आम भारतीयों की आदत में शुमार है कि लोग अक्सर खांसी-बुखार की दवाइयां यह जाने बगैर सेवन करते हैं कि उनमें क्या-क्या मिला है।

यह भी कि इनके उपयोग से हमारे शरीर में क्या-क्या साइड-इफेक्ट हो सकते हैं। यह भी जानने की कोशिश नहीं होती है कि इन सिरप आदि को अन्य दवाओं के साथ लेने से क्या-क्या नकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे शरीर में हो सकती है। ये घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुःखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिए खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिए नुकसान-रहित होती हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुःखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखना चाहिए, लेकिन सवाल सिर्फ कफ सिरप का ही नहीं है। सरकार के इस कदम का सीधा असर अब सिरप-बेस्ड दवाओं की बिक्री पर पड़ेगा। इस ऐतिहासिक बदलाव के बाद खांसी की दवाई समेत सभी प्रकार के सिरप अब 'ओवर-द-काउंटर' यानी बिना पर्चे के नहीं बेचे जा

सभी तरह की सिरप अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। इन सिरप को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी। सरकार ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में एक नया बदलाव करके कफ सिरप समेत सभी सिरप की बिक्री के नियमों को सख्त कर दिया है। इसका मतलब अब ग्राहकों को फार्मेसी से ऐसी दवाएं खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची की जरूरत पड़ेगी। यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में दूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद उठाया गया है। इन घटनाओं ने आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली लिक्विड दवाओं की सुरक्षा और रेगुलेशन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी थीं। इनके बाद सिरप बनाने और बेचने के तरीकों पर कड़ी निगरानी और सख़्त जांच की मांग फिर से उठने लगी थी।

सकेंगे। अब किसी भी मेडिकल स्टोर से सिरप खरीदने के लिए मरीजों को अनिवार्य रूप से डॉक्टर का पर्चा दिखाना होगा, जिसके बाद ही दवा दी जाएगी। इस बड़े नीतिगत बदलाव के बाद, अब यदि किसी मरीज को खांसी की दवाई या कोई अन्य सिरप आधारित दवा खरीदनी है, तो उसे अनिवार्य रूप से किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर का वैध पर्चा दिखाना होगा।

बिना पर्चे के कोई भी केमिस्ट या फार्मासिस्ट ग्राहकों को सिरप नहीं बेच सकेगा। यदि कोई मेडिकल स्टोर संचालक बिना डॉक्टर के पर्चे के कफ सिरप बेचते हुए पाया जाता है, तो ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कफ सिरप के बढ़ते दुरुपयोग और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। बहरहाल, अब जब सरकार ने तय कर दिया है कि अनुभवी डॉक्टर की सलाह से ही सिरप आदि खरीदे जा सकते हैं तो मरीजों के तीमारदार तय कर सकेंगे कि किस कंपनी की गुणवत्ता वाली दवा खरीदनी है। इससे न केवल इलाज सही हो सकेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि मरीज के शरीर में कोई अन्य बीमारी छूट न जाए। हकीकत यह भी है कि सिर्फ कठोर कानून बनाने मात्र से ही बेहतर परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते हैं। भारत में पहले से ही दवाइयों की बिक्री के नियमन से जुड़े कानूनों की कमी नहीं है। इसके बावजूद डॉक्टर की पर्ची पर ही उपलब्ध होने वाली दवाइयां अक्सर बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के ही आसानी से मेडिकल स्टोरों में मिल जाया करती हैं। एक चिकित्सक होने के नाते मेरा अनुभव है कि कई माता- पिता डॉक्टर से सलाह के बिना ही खुद से कफ सिरप खरीकर बच्चे को देना शुरू कर देते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं है। खासतौर पर 2 साल से छोटे बच्चों को डॉक्टर की सलाह के बिना सिरप बिल्कुल न दें। ऐसा इसलिए क्योंकि इन सिरप में एंटीहिस्टामाइन हो सकता है। इससे गंभीर और जानलेवा साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इन दवाओं के साइड इफेक्ट में दौरे पड़ना, दिल की धड़कन तेज होना और कुछ मामलों में मौत तक हो सकती है। ऐसा अक्सर तब होता है, जब इनका तय मात्रा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। अधिकतर बच्चों में खांसी की समस्या वायरल इंफेक्शन की वजह से होती है। ये अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ माता-पिता हल्की खांसी में ही सिरप दे देते हैं। बच्चे को आराम तो खुद ही होता है, लेकिन उनको लगता है कि ऐसा कफ सिरप देने से हुआ है। इस वजह से जब भी बच्चे को खांसी होती है तो माता- पिता उसको सिरप देने लगते हैं। हल्की खांसी में सिरप की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर खांसी के कारण बच्चे की नींद पूरी नहीं हो रही है, उसके सीने में दर्द है, कफ की वजह से सांस लेने में दिक्कत आ रही है, तो डॉक्टर की सलाह पर ही सिरप की सही खुराक दी जानी चाहिए।

डॉक्टर को किसी विशेष बीमारी जैसे ब्रोंकाइटिस, अस्थमा के लक्षण दिखते हैं तो तब भी वह कफ सिरप दे सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि अगर हल्की खांसी है और कोई दूसरे गंभीर लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं तो कफ सिरप देने से बचें। दरअसल, असली चुनौती कानून का अनुपालन सख्ती से करने की होती है। जब तक देश में तमाम फार्मेसियों की नियमित जांच नहीं होती, कानून का उल्लंघन करने पर कड़े दंड का प्रावधान नहीं होता, तब तक नए नियम-कानून महज अच्छे इरादे वाले निर्देश मात्र बनकर रह जाएंगे। वास्तव में देश में दवा उत्पादक इकाइयों की नियमित निगरानी, राज्यों में सशक्त ड्रग-कंट्रोल अथॉरिटी, नियमित गुणवत्ता जांच के अलावा जन चेतना अभियान चलाने की सख्त जरूरत है। लोगों को बिना डॉक्टर के परामर्श के दवा लेने के खतरों से अवगत कराना होगा।

(लेखक चिकित्सक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आर्थिकी
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आयात निर्भरता होगी कम 100 उत्पाद होंगे चिन्हित

आयात निर्भरता कम करने की दिशा में भारत सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। देश में आयात में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तो इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का आयात 100 अरब डॉलर के आंकड़े को भी पहली बार पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र प्रथम, मेड इन इण्डिया और वोकल फॉर लोकल को केवल जुमला के स्थान पर धरातल पर उतारने को कटिबद्ध हो गए हैं। पिछले दिनों देश में 100 सर्वाधिक आयात होने वाले उत्पादों को चिन्हित कर उनका देश में ही उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास शुरू किए गए हैं। उद्योग एवं व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर 3 सप्ताह में सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके लिए 6 क्षेत्र विशेष कार्य समूह का गठन किया गया है। कमेटी द्वारा एक मोटे अनुमान के अनुसर 500 आयात होने वाले प्रमुख उत्पादों का अध्ययन किया जाएगा और इनमें से पहले चरण में 100 उत्पादों का चयन किया जाएगा। इन 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाया जाएगा ताकि विदेशों से आयात पर निर्भरता कम हो सके। दरअसल देश में 2025-26 में 7.5 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 775 अरब अमेरिकी डॉलर के उत्पाद आयात हुए हैं। इनमें भी 18 प्रतिशत की विकास दर के साथ सर्वाधिक 116 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद आयात किए गए हैं। देश में प्रमुखतः 6 क्षेत्रों में आयात हो रहा है। इनमें फार्मास्यूटिकल, बायोटेक, मेडिकल क्षेत्र, रसायन और पेट्रोकेमिकल, कपड़े, जूते आदि सेक्टर, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन ईवी और पूजीगत सामानों का आयात सेक्टर, उर्जा क्षेत्र, निर्माण और संरचना क्षेत्र और रक्षा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक आदि सेक्टर हैं। यह कमेटी इन सेक्टरों के 500 प्रमुख उत्पादों में से 100 उत्पाद चिन्हित करेंगी, जिनका उत्पादन देश में बढ़ाया जा सके और आयात में निर्भरता को कम किया जा सके। कमेटी ने काम आरंभ कर दिया है और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि कमेटी को 3 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देने के लिए कहा गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार सर्वाधिक आयात होने वाले 100 उत्पादों का उत्पादन देश में ही बढ़ाने के लिए संकल्पित है। दरअसल प्रधानमंत्री वोकल फॉर लोकल की बात हवा में नहीं करते रहे हैं। मेड इन इंडिया और इसकी ब्रॉण्डिंग की बात भी हवा-हवाई ना होकर इसके पीछे आयात को कम करने और भारतीय उत्पादों की विदेशों में पहचान बनाने और बाजार विकसित करने में हैं। इसी दिशा में बढ़ता एक कदम सरकार को एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम है। एक बात तो यह साफ हो जानी चाहिए कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान रही है। आगे भी इसके ठोस प्रयास करने होंगे। दूसरी यह कि आयात का सीधा अर्थ है कि इन उत्पादों की हमारे देश में काफी मांग है और इस मांग की पूर्ति नहीं हो पर रही है और विदेशों से आयात पर निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में योजनाबद्ध तरीके से आयात घटाने, स्थानीय आवश्यकता की देश में ही आपूर्ति सुनिश्चित करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है और सरकार के इन प्रयासों में यही परिलक्षित हो रहा है। किसी भी देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए आयात पर निर्भरता कम होनी चाहिए। देश में ही उत्पादन होने लगता है तो एक और विदेशी मुद्रा की बचत होती है तो दूसरी और देश में ही रोजगार, निवेश और सरकारी राजस्व के साथ ही इकोनॉमी का बूस्ट मिलता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजना सहित अनेक कदम उठाने जा रही है। इसे इस दृष्टि से शुभ संकेत व सरकार की गंभीरता के रूप में समझा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने देश में ही उत्पादन बढ़ाने के लिए पीएलआई यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव योजना लागू की है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक, फार्मा, ऑटोमोबाइल, रसायन सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों को प्रोडक्शन लिंक्ड इंस्टेटिव के दायरें में लाया गया है। देश में आरएण्डी सेल बनाकर शोध एवं अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। विदेशों से आयात कर डंपिंग पर रोक लगाने के लिए एंटी डंपिंग शुल्क लगाने के साथ ही योजनाबद्ध तरीके से मेड इन इंडिया को प्रोत्साहित किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। देश को आर्थिक दृष्टि से सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए आयात पर निर्भरता तो कम करनी ही होगी। आज विदेशी के नाम पर देशवासियों खासतौर से अमीर लोगों की खरीद की प्रवृति को भी बदलने की आवश्यकता है। माना जाना चाहिए कि उद्योग सचिव की कमेटी द्वारा 100 उत्पादों के चिन्हिकरण और ठोस योजना के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और सरकार द्वारा भी कमेटी की सिफारिश के अनुसार चिन्हित इन उत्पादों के उत्पादन बढ़ाने की खासतौर से स्थानीय मांग की पूर्ति की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित
दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

मन को कभी भी निराश न होने दें

संकलित
प्रेरणा

सुबह होते ही, एक भिखारी सेठजी के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुंच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, सेठजी बाहर आए पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां सेठजी की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगीः अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया। दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ। सेठजी दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोक कर कहाः भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजिएगा। वही पर खड़े सेठजी के एक मित्र ने उससे पूछाः मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया? सेठजी ने मुस्कुराते हुए कहाः मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो! मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास। इसी लिए कहां गया है, मन प्रसन्न तो आप प्रसन्न। प्रसन्न मन हमारे शरीर पर काफी प्रभाव डालता है। प्रसन्न मन से किए गए कार्य में सफलता की संभावना अधिक होती है।

अंतर्मन

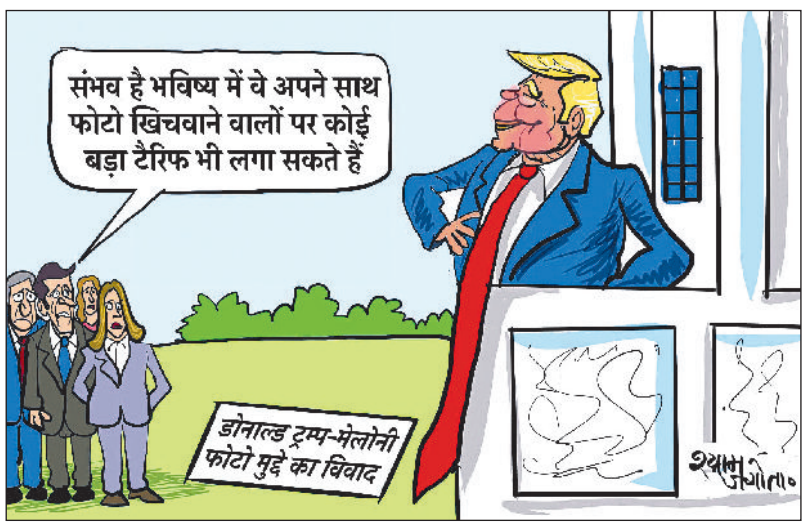

आज की पाती

अपराध की दुनिया में महिलाओं की सक्रियता

आधुनिक डिजिटल युग में देश जैसे-जैसे स्मार्ट और तकनीकी रूप से उन्नत होता जा रहा है, वैसे-वैसे अपराधों की संख्या और उन्हें अंजाम देने के तौर तरीकों में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत में अपराध जगत में महिलाओं की भागीदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में कम है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में इसमें आई बढ़ोतरी निश्चित रूप से चिंतन और चिंता का विषय है। वर्तमान समय में महिलाओं की अपराधों में संलिप्तता केवल परिवार के पुरुष सदस्यों के अवैध कारोबार में सहयोग करने तक सीमित नहीं रह गई है। मादक पदार्थों की तस्करी, आर्थिक अपराध, साइबर धोखाधड़ी, बच्चों की चोरी, मानव तस्करी और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में भी महिलाओं की भागीदारी के मामले सामने आ रहे हैं। इस संबंध में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

– समीक्षा जैन, हिसार

ट्रेंड

महिला हॉकी टीम को बधाई

भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने देश का मान बढ़ाया और खुशियां दीं ! एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। टीम को बहुत शुभकामनाएं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मां के नाम एक पेड़

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर "मां के नाम एक पेड़" अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। आइए, ग्रीन वॉरियर बनकर जन-भागीदारी के साथ इस अभियान से जुड़ें और एक हरित, स्वस्थ और विकसित दिल्ली बनाने में योगदान दें।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

स्वस्थ समाज का निर्माण

देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू योग को शारीरिक स्वास्थ्य और चेतना के उत्कर्ष का माध्यम मानते थे। हम उनके विचारों को आत्मसात कर स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

हिंदुओं की आस्था का केंद्र

राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपये का दान चोरी हो गया, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इस पाप में शामिल लोग चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डाल देना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा करना ज़रूरी है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

सिंगापुर में योग प्रेमियों ने योग दिवस मनाया

सिंगापुर में रविवार को एक राज्य मंत्री और भारतीय मूल के लोगों समेत सैकड़ों योग प्रेमियों ने उत्साह और समावेशन की भावना के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में अपनाए जाने के बाद से, हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस साल के कार्यक्रम का विषय ' बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत भारत के उच्चायोग ने इस प्राचीन अभ्यास को लोगों के करीब लाने के लिए कई आरंभिक कार्यक्रम और योग सत्र आयोजित किए। इस मौके पर सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पाक अंबुले ने कहा, 'सिंगापुर ने बहुसंस्कृतिवाद , कल्याण और संपोषणीय विकास के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता संग योग को उत्साह और समावेशन भावना के साथ अपनाया है।' भारतीय उच्चायुक्त ने 'गार्डन बाय द बे' में सिंगापुर में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों और इस द्वीप-देश के बहु-राष्ट्रीय समुदाय के योग प्रेमियों का स्वागत किया। संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्रालय तथा परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री बे याम केंग भी सिंगापुर सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसमें लगभग 350 योग प्रेमी मौजूद थे।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

ग्रुप ई : क्यूरासाओ ने इक्वाडोर को बराबरी पर रोका

एलोय बने दीवार, इक्वाडोर के 15 हमले किए नाकाम, हासिल किया पहला अंक

एजेंसी ▶▶| कनसास सिटी

क्यूरासाओ के गोलकीपर एलोय रूम ने इक्वाडोर के लगातार हमलों का डटकर सामना करते हुए 15 बचाव किए, जिससे विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे सबसे छोटे देश ने ग्रुप ई का यह मैच गोलरहित बराबरी पर रोककर अपना पहला अंक हासिल किया। इस परिणाम से जर्मनी को ग्रुप ई में शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका मिल गया। जर्मनी ने इससे पहले आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराया था। 37 वर्षीय रूम ने पिछले साल नवंबर में जमैका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके क्यूरासाओ को पहली बार विश्व कप में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने जर्मनी से 7-1 की हार के बाद शानदार वापसी की और विश्व कप इतिहास में किसी गोलकीपर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में अपना नाम लिखाया।

एलोय ने बनाया वर्ल्ड कप रिकॉर्ड

क्यूरासाओ के गोलकीपर एलोय रूम ने इक्वाडोर के खिलाफ गोलरहित बराबरी पर छूटे मैच में 15 बचाव करके विश्व कप फुटबॉल में नया रिकॉर्ड बनाया। विश्व कप में सर्वाधिक बचाव करने की आंकड़े 1966 से ही रखे जाने लगे थे और रूम 15 बचाव करके इस सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रिकॉर्ड 16 बचाव करने का है जो एक जुलाई, 2014 को अमेरिका के टिम हॉवर्ड ने बेल्जियम के खिलाफ बनाया था। हॉवर्ड ने हालांकि 120 मिनट तक चले मैच में यह रिकॉर्ड बनाया था। इस तरह से रूम ने 90 मिनट के निर्धारित समय में सर्वाधिक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। रूम ने कहा, 'यह एक अविस्मरणीय अनुभव है। जब आप ऐसा करते हैं तो आप इसके बारे में नहीं सोचते, लेकिन निश्चित रूप से यह एक ऐसा पल है, जिसे मैं ताउम्र याद रखूंगा। मेरे लिए एक गोलकीपर के रूप में यह लगभग परफेक्ट मैच है।'

■ ब्रोबे और गाकपो ने दागे दो-दो गोल

ग्रुप एफ : नीदरलैंड की स्वीडन पर बड़ी जीत

ह्यूस्टन। ब्रायन ब्रोबे और कोडी गाकपो ने दो-दो गोल करके नीदरलैंड को स्वीडन के खिलाफ 5-1 से बड़ी जीत दिलाकर विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एफ में शीर्ष पर पहुंचा दिया। ब्रोबे ने पांचवें और 17वें मिनट में गोल करके नीदरलैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। गाकपो ने दूसरे हाफ के शुरू में 47वें और 54वें मिनट में गोल किए। उसकी तरफ से पांचवां गोल क्रिसेनसियो समरविले ने 89वें मिनट में किया। स्वीडन की तरफ से एकमात्र गोल एंथनी एलंगा ने 59वें मिनट में किया। नीदरलैंड ने अपना पहला मैच जापान के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था और उसे बड़ी जीत की जरूरत थी। स्वीडन अपने पहले मैच में ट्यूनीशिया को 5-1 से हराने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सका। नीदरलैंड से मिली यह हार 1950 में ब्राजील से 7-1 से मिली हार के बाद विश्व कप में उसकी सबसे बड़ी हार थी। इस जीत के साथ नीदरलैंड चार अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है। स्वीडन के तीन अंक हैं।

आखिरी मिनटों में उंदाव ने दागे गोल जर्मनी ने छीनी आइवरी कोस्ट से जीत

टोरंटो। डेनिज उंदाव ने दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरने के बाद दो गोल किए, जिससे जर्मनी ने लगभग 40 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। ग्रुप ई के इस मैच में उंदाव ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में दूसरा और निर्णायक गोल किया। उन्हें गोलपोस्ट के सामने फेलिक्स नमेचा से एक पास मिला और उन्होंने आइवरी कोस्ट के गोलकीपर याहिया फोफाना को चकमा देते हुए गोल दाग दिया। उंदाव ने इससे पहले मैच का पहला गोल 68वें मिनट में किया। तब नादिएम अमीरी ने एक लंबा पास दिया, जिसे स्ट्राइकर काई हावर्ट्ज ने उंदाव के पास जाने दिया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। अमीरी और उंदाव दोनों आठ मिनट पहले ही मैदान में आए थे। इससे पहले आइवरी कोस्ट के कप्तान फ्रैंक केसी ने 30वें मिनट में गोल करके जर्मनी पर दबाव बढ़ा दिया था। जर्मनी लगातार दूसरी जीत से ग्रुप ई में शीर्ष पर काबिज है जबकि आइवरी कोस्ट के तीन अंक हैं।

ग्रुप ई : जर्मनी लगातार दूसरी जीत से ग्रुप में शीर्ष पर काबिज

'समुराई ब्लू' ने विश्व कप में पहली बार दागे चार गोल

ग्रुप-एफः जापान ने दी ट्यूनीशिया को करारी शिकस्त

मोंटेरी। अयासे उएदा के दो गोल की मदद से जापान ने फीफा विश्व कप के ग्रुप-एफ मुकाबले में ट्यूनीशिया को 4-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी बार नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि यह फीफा पुरुष विश्व कप का 1000वां मैच था। 'समुराई ब्लू' के नाम से मशहूर जापान की टीम ने विश्व कप इतिहास में पहली बार किसी मैच में चार गोल दागे। जापान ने इस एकतरफा मुकाबले में पूरे मैच के दौरान ट्यूनीशिया पर दबदबा बनाए रखा। ट्यूनीशिया इस विश्व कप में अपना पहला मैच खेलने के बाद मुख्य कोच को हटाने वाली पहली टीम भी बनी। उएदा के अलावा दाइची कामादा और जुन्या इतो ने एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ जापान के चार अंक हो गए और वह अंक तालिका में नीदरलैंड के बराबर पहुंच गया।

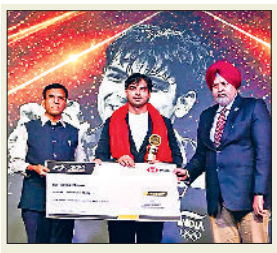

एथलेटिक्स अवार्ड समारोह

नीरज बेस्ट मेल एथलीट और पूजा इमर्जिंग प्लेयर

रोहतक। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) द्वारा दिल्ली के ताज पैलेस में भव्य 'भारतीय एथलेटिक्स अवार्ड समारोह' का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी सेरेमनी में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा सहित देश की कई दिग्गज खेल हस्तियों ने शिरकत की। हरियाणा एथलेटिक्स के महासचिव प्रदीप मलिक और फरीदाबाद मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि इस समारोह में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पानीपत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को वर्ष 2025 का 'बेस्ट मेल एथलीट अवार्ड' और 10 लाख रुपये की नकद राशि से सम्मानित किया गया। वहीं, फतेहाबाद की हाई जंप खिलाड़ी पूजा को 'इमर्जिंग एथलीट खिलाड़ी अवार्ड 2025' के साथ 2.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। अतिथियों में डॉ. ललित के. भनोट, बहादुर सिंह सागू, रविन्द्र चौधरी, मधुकांत पाठक और राजकुमार मिटान ने सभी विजेता विभूतियों को पुरस्कार सौंपे। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का यह सम्मान आने वाली खेल पीढ़ी को बड़े सपने देखने और देश का नाम रोशन करने की नई प्रेरणा देगा।

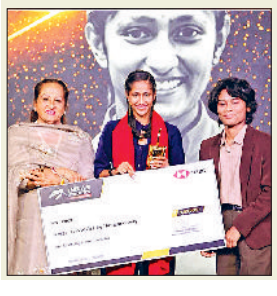

कोहली-बुमराह की वापसी, यशस्वी बाहर

इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को फिटनेस मंजूरी मिलने की शर्त पर इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को भारतीय टीम में चुना गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सीमित ओवरों की इस श्रृंखला के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। कोहली फिटनेस टेस्ट के लिए सोमवार को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में वापस बुलाया गया है। अक्षर पटेल ने भी वापसी की है।

इंग्लैंड के लिए वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली (फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़।

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 के लिए 'अपडेटिड' टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप

मारिजाने काप का अर्धशतक, दक्षिण अफ्रीका से छह विकेट से हारा भारत

मैनचेस्टर। मारिजाने काप ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए 45 गेंद में 81 रन की नाबाद पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप एक के मैच में भारतीय टीम को पांच गेंद रहते छह विकेट से हरा दिया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' काप ने इससे पहले गेंदबाजी करते हुए दो विकेट झटके। उन्होंने अपनी पारी के दौरान सात चौके और चार छक्के जमाए। स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक राधा यादव ने दो बार काप का कैच छोड़ा। इससे दक्षिण अफ्रीका ने जीत के लिए 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में चार विकेट पर 161 रन बनाकर दूसरी जीत दर्ज की जिससे टीम तालिका में चार अंक लेकर भारत (चार अंक) के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने चार ओवर में एक मेडन से 24 रन देकर तीन विकेट झटके। श्री चरणी ने छठे ओवर में 25 रन पर दक्षिण अफ्रीका को दोहरे झटके दिए। उन्होंने खतरनाक लौरा वोलवार्ट (20 रन) को आउट करने के दो गेंद बाद एनेरी डर्कसेन (शून्य) को आउट कर दिया। लेकिन काप ने तजमिन ब्रिट्स (40 रन) के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 63 गेंद में 97 रन की साझेदारी निभाकर जीत की नींव रखी।

● भारतीय टीम की पहली हार

विश्व मुक्केबाजी कप : चीन में छाईं रोहतक की बेटियां, ज्योति को सोना और मीनाक्षी की चांदी

▶▶| भारत ने एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित 6 पदक कब्जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विश्व मुक्केबाजी कप में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को खेले गए मैचों में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक सहित चार पदक अपने नाम किए। यह प्रतियोगिता चीन में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भारत ने एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते। ज्योति ने 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान की फरजोना फोजिलोवा, जो ब्राजील विश्व मुक्केबाजी कप की मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता हैं, को 5-0 से हराकर भारत का एकमात्र स्वर्ण पदक हासिल किया। 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व नंबर 1 रैंक पर काबिज मीनाक्षी, जो 51 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, ने फाइनल में चीन की वू यू से 0-5 से हारने के बाद रजत पदक हासिल किया। 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही प्राची ने फाइनल में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा से 0-5 से हारने के बावजूद रजत पदक जीता।

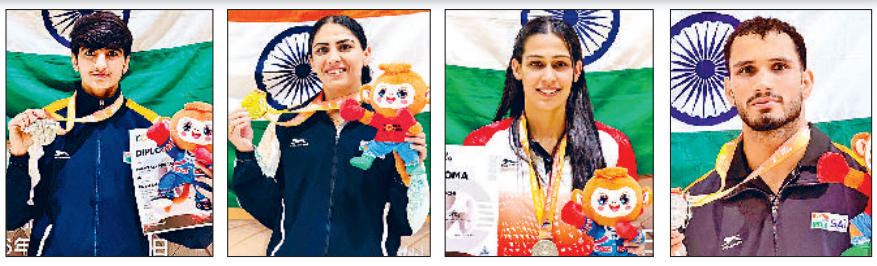

▶▶| रोहतक की ज्योति ने 48 किलो में उज्बेकिस्तान की फरजोना को दी मात

▶▶| रोहतक की मीनाक्षी 51 किलो चीन की वू यू से हारीं, रजत जीता

▶▶| झज्जर की प्राची उज्बेकिस्तान की निगीना से हारीं सिल्वर मेडल मिला

पुरुषों में दीपक को रजत पदक

पुरुषों की स्पर्धाओं में दीपक (70 किलोग्राम) ने फाइनल में कजाकिस्तान के अबलाइखान झुसुपोव से 0-5 से हारकर रजत पदक हासिल किया। इससे पहले, भारत ने जुगनू (85 किलोग्राम) और निखिल (55 किलोग्राम) के माध्यम से दो कांस्य पदक जीते।

मेजर सत्यपाल सिंधु ने दी बधाई

हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने यह सफलता हमारे मुक्केबाजों के निरंतर अभ्यास, अनुशासन और देश के लिए कुछ कर गुजरने के जज्बे का परिणाम है। हरियाणा बॉक्सिंग संघ और पूरा देश इन खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन पर गर्व महसूस करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह खिलाड़ी आने वाली आगामी खेल प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह देश का तिरंगा ऊंचा रखेंगे।

टीम इंडिया ने दूसरी बार किया खिताब अपने नाम, प्रो लीग में बनाई जगह

बेटियां बनी चैंपियन, न्यूजीलैंड को 2-0 से दी मात

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर दूसरी बार एफआईएच महिला नेशंस कप का खिताब अपने नाम करने के साथ ही अगले सत्र के लिए एफआईएच महिला प्रो लीग में भी जगह बना ली।

नवनीत कौर ने चौथे मिनट में ही भारत को बढ़त को दिला दी जबकि सुनेलिता टोप्पो ने 15वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए बढ़त को अंत तक बनाए रखा और खिताब अपने नाम किया।

टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रहीं दीपिका

फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए लालरेमसियामी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया जबकि दीपिका टूर्नामेंट में छह गोल के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर रहीं। उन्होंने अमेरिका की एश्ले सेसा के साथ यह उपलब्धि साझा की। यह भारत का दूसरा नेशंस कप खिताब है। इससे पहले टीम ने 2022 में शुरुआती सत्र का खिताब अपने नाम किया था। भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा। टीम ने पूल चरण में अमेरिका को 3-2, जापान को 2-1 और उरुग्वे को 3-2 से हराया, जबकि सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से एकतरफा मुकाबले में मात दी। टीम के शानदार प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपए और सहयोगी स्टाफ को डेढ़ लाख रुपए नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

लालरेमसियामी चुनी गईं 'प्लेयर ऑफ द मैच'

रैंड प्रिक्स उस्ती नाद लाबेम 2026

भारतीय मुक्केबाजों ने 9 गोल्ड समेत 13 पदक कब्जाए

रोहतक। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैयारियों के सिलसिले में यूरोपीय कप 'ग्रैंड प्रिक्स उस्ती नाद लाबेम 2026' में हिस्सा लेने उतरी भारतीय मुक्केबाजी टीम ने रिंग में जबरदस्त दबदबा दिखाते हुए पदकों की झड़ी लगा दी है। पुरुष और महिला मुक्केबाजों ने 9 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं।

महिला वर्गः चार स्वर्ण पदक जीते, जिसमें प्रीति पवार(54 किग्रा), साक्षी चौधरी(51 किग्रा), प्रिया घनघस (60 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने गोल्ड जीता। वहीं, परवीन हुड्डा (65 किग्रा) ने रजत पदक जीता।

पुरुष वर्ग : टीम ने चार स्वर्ण पदक जीते। इसमें जदुमणी सिंह(55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और नरेन्द्र बेरवाल (+90 किग्रा) ने गोल्ड जीते। इसके अलावा, आदित्य प्रताप (65 किग्रा) और कपिल पोखरिया(90 किग्रा) ने रजत और सुमित(70 किग्रा) को कांस्य पदक मिला।

देश-दुनिया में लोगों ने स्वस्थ रहने का लिया संकल्प

ग्लोबल मैट पर झुकी दुनिया: 200 मुल्क के 30 करोड़ लोगों का एक ही सुर, 'ॐ' की गूंज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरहदों की कड़वाहट और रोजमर्रा की चिंताओं को भुलाकर जब 200 देशों के 30 करोड़ लोगों ने एक साथ अपनी सांसों को साधा, तो दुनिया का सारा तनाव जैसे हवा में घुल गया। 'ॐ' की सामूहिक गूंज ने महाद्वीपों की दूरियों को मिटाकर हर दिल में शांति का संचार किया। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि मिसाइलों और समझौतों से परे, दुनिया को जोड़ने का सबसे अचूक नुस्खा भारत की इस प्राचीन विधा योग के पास है। भाषा, रंग और संस्कृति के भेद को मिटाकर, लोग अपनी आंतरिक शांति के लिए योग की शरण में आए हैं। आखिरकार, मानसिक और वैश्विक तनाव से जूझती इस मानव सभ्यता को थामने के लिए पूरी दुनिया को एक ही मंच यानी 'ग्लोबल योग मैट' पर आना ही पड़ा।

टोरंटो में योग किया गया

कहां कितने लोगों ने किया योग

अमेरिका	3.5 करोड़
कनाडा	76 लाख
ऑस्ट्रेलिया	15 लाख
यूनाइटेड किंगडम	5 लाख
चीन	1 करोड़
ब्राजील	80 लाख

सऊदी अरब महिला प्रशिक्षकों ने संभाली कमान

सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में लगभग 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें सरकारी अधिकारी, राजनयिक और स्कूली बच्चे शामिल थे। योग सत्र का नेतृत्व सऊदी की महिला योग प्रशिक्षक सीमा घन्नाम और मलाक अलमुघीरा ने किया।

पेरिस में एफिल टॉवर में जुटे 2,000 से अधिक लोग

द्वितीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर फ्रांस की राजधानी पेरिस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पेरिस के सबसे बड़े शहरी सांस्कृतिक उद्यान 'पार्क डी ला विलेट' में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, लगभग हर उम्र के 2,000 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त इस दिवस को सफल बनाने के लिए कई भारतीय व फ्रांसीसी सांस्कृतिक संघों, भारतीय प्रवासियों और आर्ट ऑफ लिविंग व ईशा फाउंडेशन जैसे प्रमुख योग स्कूलों ने सक्रिय योगदान दिया। इस मौके पर भारतीय राजदूत मोहन कुमार ने आधुनिक जीवनशैली में तनाव प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास के लिए युवाओं से नियमित योग करने की अपील की। इस अभियान को फ्रांस और भारतीय फिल्म जगत के कलाकारों का भी बड़ा समर्थन मिल रहा है।

अमेरिका में बड़ी संख्या में जुटे लोग

शंघाई के बंड फाइनेंस सेंटर में योग और भारतीय संस्कृति का संगम

चीन के शंघाई शहर में स्थित 'बंड फाइनेंस सेंटर' में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजनयिकों, शिक्षाविदों, योग साधकों और भारतीय प्रवासियों सहित लगभग 400 लोगों ने भाग लिया। महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने योग को भारत द्वारा विश्व को दी गई एक अमूल्य भेंट बताया।

टेक्सास में योग

टेक्सास के पार्कों और न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर राज्य विधानसभाओं और गवर्नर के ऑफिस तक, इस हफ्ते के अंत में पूरे अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह दिखाता है कि भारत में शुरू हुई यह परंपरा अब एक देशव्यापी स्वास्थ्य कल्याण आंदोलन बन गई और इसे आम लोगों में कितना पसंद किया जा रहा है। इस साल का थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रहा, जिसमें निवारक स्वास्थ्य देखभाल, सक्रिय जीवनशैली और मानसिक कल्याण पर विशेष जोर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के एक दशक से अधिक समय बाद अब इसका आयोजन पूरे अमेरिका में व्यापक स्तर पर किया जाता है। देशभर के पार्कों, विश्वविद्यालयों, सामुदायिक केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों और सरकारी संस्थानों में योग दिवस मनाया जाता है।

जापान में बारिश के बीच हुआ योग, दुबई में भी जुटे हजारों लोग

दुबई भारतीय वाणिज्य दूतावास और दुबई पुलिस के सहयोग से 'दुबई पुलिस ऑफिसर्स क्लब' में एक भव्य कार्यक्रम हुआ। इसमें पुलिस अधिकारियों, छात्रों और भारतीय प्रवासियों ने हिस्सा लिया। दुबई पुलिस बैंड की प्रस्तुति यहां विशेष आकर्षण रही।जापान के टोक्यो स्थित ऐतिहासिक त्सुकिजी होंगन-जी मंदिर में सबसे खास नजारा दिखा। यहां 2100 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान तेज बारिश होने के बावजूद लोगों का हौसला डिगा नहीं और उन्होंने 'बारिश हो या धूप, योग साथ-साथ' के संदेश के साथ योगाभ्यास पूरा किया।

ढाका हुआ योगमय

खबर संक्षेप

भीषण गर्मी के चलते फ्रांस में शराब बंद

पेरिस। यूरोप के कुछ हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी से निपटने के लिए फ्रांस ने सार्वजनिक जगहों पर शराब पीने पर रोक लगा रहा है और कुछ आउटडोर स्पोर्ट्स इवेंट्स रद्द कर रहा है। रविवार को फ्रांस का लगभग एक-तिहाई हिस्सा राष्ट्रीय मौसम सेवा के 'हीट रेड अलर्ट' के दायरे में है और पूरे देश में तापमान बहुत अधिक है।

रूस से प्रतिदिन 26.6 लाख बैरल तेल खरीदा

नई दिल्ली। भारत ने जून में रूस और संयुक्त अरब अमीरात से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। आपूर्ति पूरी तरह बहाल होने से पहले अपना ऑयल स्टोरेज सुरक्षित करने की रणनीति अपनाई। आंकड़ों के मुताबिक, जून में 19 तारीख तक भारत ने रूस से औसतन 26.6 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया।

मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह सक्रिय हो सकता है मानसून

आंधी-तूफान और बारिश... दिल्ली-यूपी समेत 8 राज्यों में अलर्ट, मप्र-छग में भी बदलेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने यूपी, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत उत्तर भारत में अभी बारिश, आंधी-तूफान का दौर जारी रहेगा। प्री मॉनसून रेन से इन राज्यों में मौसम सुहाना बना रहेगा और तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी देखने को नहीं मिलेगी। पश्चिमी राजस्थान में 24-25 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 22 से 25 जून और उत्तराखंड में 19 से 25 जून के दौरान बारिश होने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है।

मुंबई में मानसून की दस्तक, जमकर हुई पहली बारिश

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आखिरकार मानसून ने जोरदार दस्तक दे दी है। रविवार सुबह शहर के कई इलाकों में हुई सीजन की पहली अच्छी बारिश ने लोगों को उमस और गर्मी से राहत दिलाई। 8 जून से महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र के पास ठहरा मानसून अब सक्रिय हो गया है। इसके साथ ही मध्य भारत में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अरब सागर से आने वाली नम हवाएं तेज बारिश का कारण बनीं इसी वजह से रविवार सुबह मुंबई के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।

मप्र-छग व विदर्भ में आंधी-तूफान

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 22 से 25 जून के दौरान कुछ जगहों पर तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में भी दक्षिण पश्चिम मॉनसून आगे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल हैं। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 22 से 26 जून के दौरान आंधी, तूफान, बिजली कड़कने के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में 22 से 25 जून और विदर्भ में 22 से 29 जून के दौरान बारिश होने का अलर्ट है।

बिहार, झारखंड में फैलेगा मॉनसून

मौसम विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों में 23 जून के आसपास मॉनसून आगे बढ़ेगा। रांची, जमुईपुर, मुजफ्फरपुर, फूलबनी जैसे इलाकों में मॉनसून की बारिश का अलर्ट है। पश्चिम बंगाल में कोलकाता, हावड़ा और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर भारत में भी भारी बारिश का अलर्ट है जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 24, बिहार में 22 और महाराष्ट्र-तेलंगाना में 24 जून तक तेज हवा चलने का भी अलर्ट है।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट

- **उत्तर और मध्य भारत :** उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़।
- **पहाड़ी क्षेत्र :** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर।
- **पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत :** बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, सिक्किम, असम, त्रिपुरा और मेघालय।

बाढ़-बारिश से मिलेगी सुरक्षा

रेलवे ट्रैक की खराबी देखते ही बजेगा अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे अब ट्रैक की सुरक्षा को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए एक नई तकनीक का सहारा लेने जा रही है। इस तकनीक की मदद से रेलवे ट्रैक पर होने वाले बड़े हादसे और छोटी-छोटी खराबी को समय रहते पता लगाया जा सकता है। सरकार का कहना है कि इस तकनीक का खास मकसद यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाना है। इस तकनीक में मल्टी-सेंसर, एआई और डिजिटल ट्विन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। सेंसर से मिलने वाले डेटा का इस्तेमाल कर सिस्टम ट्रैक की मजबूती और उसकी उसकी स्थिति की रखरखाव करेगा। रेलवे के मुताबिक, आईआईटी गुवाहाटी और भुवनेश्वर मिलकर ऑटोनॉमस यूनिटरी सिस्टम फॉर इंस्पेक्शन एंड मॉनिटरिंग ऑफ परमानेंट वे नाम की एक हाईटेक प्रणाली की तैयारी कर रही है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह रोबोटिक मॉडल अभी तैयार नहीं हुआ है।

बड़े काम की है ये तकनीक

दरअसल, पूर्वोत्तर रेलवे के कई रेलमार्ग पहाड़ी इलाके, जंगलों और ऐसे इलाकों से गुजरते हैं, जहां भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याएं होती हैं। इन जगहों में रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर असम और पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में बाढ़ के दौरान कई बार ट्रैक के नीचे की मिट्टी कमजोर हो जाती है। ऐसे में एआई आधारित सिस्टम ट्रैक होने वाले छोटे बदलावों को भी पहचान सकेगा और समय रहते मरम्मत की जा सकेगी। आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी भुवनेश्वर मिलकर इस पर काम कर रहें हैं। हालांकि तैयार होने के बाद इसका ट्रायल पूर्वोत्तर रेलवे में किया जाएगा।

अपनी ही पार्टी के 100 से अधिक सांसद हुए बागी

ब्रिटेन में मचा सियासी भूचाल

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर कर सकते हैं इस्तीफे का ऐलान

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने के संकेत मिल रहे हैं। पिछले कई महीनों से राजनीतिक संकट से जूझ रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा अब बेहद गहरा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम कीर स्टार्मर आज यानी सोमवार को अपने पद से इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि वे देश के सामने पद छोड़ने की पूरी समय-सीमा (टाइमलाइन) भी रख सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया है कि स्टार्मर अपने पद से हट सकते हैं। हालांकि, डाउनिंग स्ट्रीट के आधिकारिक सूत्रों ने इन दावों को सिरे से खारिज किया है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री का पूरा ध्यान इस समय केवल देश चलाने और अपने कामकाज पर केंद्रित है। पीएम स्टार्मर के खिलाफ यह संकट शुक्रवार को उस समय और गंभीर हो गया, जब उनके धुर विरोधी नेता एंडी बर्नहैम ने संसद का चुनाव जीत लिया।

अपनी ही पार्टी के सांसदों ने चुनौती, मुश्किलें बढ़ी

इस रणनीतिक जीत के बाद बर्नहैम को अब स्टार्मर के खिलाफ सीधे तौर पर लीडरशिप की चुनौती पेश करने का मजबूत मौका मिल गया है। स्टार्मर के लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद उनकी अपनी पार्टी के भीतर से आ रही है। ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में लेबर पार्टी के करीब एक-चौथाई सांसद, यानी 100 से ज्यादा निर्वाचित जनप्रतिनिधि उनके खिलाफ खुलकर सामने आ चुके हैं।

पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का प्रयास कर रहा ट्रंप प्रशासन

स्विट्जरलैंड में यूएस-ईरान वार्ता में प्रगति, ट्रंप प्रशासन 'झुका'

जेडी वेंस बोले- अब साथ मिलकर शांति के साथ ही समृद्धि का दिख रहा है भविष्य

एजेंसी ▶▶ लूसर्न

स्विट्जरलैंड के लूसर्न में अमेरिका और ईरान के बीच हुई शांति वार्ता के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत में पिछले कुछ दिनों के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में दोनों पक्ष मिलकर क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम कर सकते हैं।

वार्ता के बाद मीडिया से बात करते हुए जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में प्रशासन पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान कई मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति देखने को मिली है और इससे

एआई इमेज

दोनों देशों के संबंधों में सुधार की संभावना बढ़ी है। यह बैठक अमेरिका और ईरान के बीच एक सप्ताह पहले हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद पहली औपचारिक वार्ता थी।

इस समझौते का उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव कम करना, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से सामान्य संचालन के लिए खोलना और व्यापक सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाना है। जेडी वेंस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन पूरे क्षेत्र में व्यापक युद्धविराम सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से लेबनान में लागू संघर्षविराम का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों में इसे बनाए रखने की दिशा में अच्छी प्रगति हुई है।

हालांकि उन्होंने माना कि ऐसे समझौतों को लागू करना हमेशा आसान नहीं होता और इसमें कई तरह की चुनौतियां आती हैं। वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी वार्ताकारों को कूटनीतिक समाधान तलाशने के लिए पूरा समर्थन दिया है। उनका मानना है कि बातचीत और समझौते के जरिए क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे विवादों का समाधान निकाला जा सकता है।

परमाणु समाप्त करने का लक्ष्य हासिल किया

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह सबसे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का धन्यवाद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें और उनकी टीम को उन कई महत्वपूर्ण मुद्दों का कूटनीतिक समाधान खोजने का अधिकार दिया है, जो सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए अहम हैं। वेंस ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्य पहले ही हासिल किए जा चुके हैं। अब सवाल यह है कि अमेरिका और ईरान मिलकर आगे और क्या हासिल कर सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28